अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 271 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | फरवरी 2021

50 वां चयन दिवस

मनोनयन की स्वर्णजयंती पर शत शत वंदन

असाधारण साध्वी प्रमुखाश्रीजी स्वीकारो अभिवंदन

ऊर्जावाणी

तेरापंथ धर्मसंघ में आचार्य का स्थान सर्वोपरि है। आचार्य संघ को सर्वोपरि मानते हैं। वे संघहित में अपना पूरा जीवन समर्पित किए रहते हैं। वे स्वयं आत्मानुशासित होकर संघ को अनुशासन में रखते हैं। वे मर्यादाओं का पालन करते हुए संघ को मर्यादित रखते हैं। जहां कहीं मर्यादा का अतिक्रमण होता है, वे पूरी तरह जागरूकता के साथ उसे रोकते हैं। तेरापंथ के प्रणेता आचार्य भिक्षु इस कला में पारंगत थे। वे इतने संयत थे, इतने आत्मानुशासित थे कि अपने संयम और अनुशासन से दूसरों को बहुत बड़ी सीख देते थे।

आचार्य श्री तुलसी

मर्यादा के सूत्र

- मर्यादा वह मशाल है जो जिन्दगी को जगमगा देती है।
- मर्यादा वह पतवार है जो जिन्दगी की नाव को पार पहुँचाती है।
- मर्यादा वह उष्मा है जो शीतकाल की ठंडी बयार को सहने की क्षमता देती है।
- मर्यादा वह कवच है जो उच्श्रृंखलवृत्तियों के बाणों को भीतर घुसने से रोकती है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

अनमोल आशीर्वाद

एकाकी साधना पद्धति में व्यवस्थागत मर्यादाओं की अपेक्षा नहीं रहती। क्योंकि यहां साधक अकेला ही होता है, वह अपनी इच्छानुसार साधना कर सकता है। इससे किसी को कोई तकलीफ नहीं होती। संघीय साधना में साधनागत और व्यवस्थागत – दोनों प्रकार की मर्यादायें आवश्यक होती है। इन मर्यादाओं को पालन करना दोनों साधना पद्धतियों में समान रूप से अनिवार्य है। आचार्य भिक्षु एक क्रांतिकारी आचार्य हुए हैं। उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में अनुभव किया कि साधुत्व को निर्मल रखने के लिए कुछ नवीन संघीय मर्यादाओं का निर्माण आवश्यक है।

आचार्य श्री महाश्रमण

आचार्य भिक्षु ने कानून शास्त्र का अध्ययन नहीं किया था। किसी प्रसिद्ध विधिवेता का सहयोग भी उन्हें नहीं मिला था। उन्होंने अपने अनुभव, चिन्तन और सूझबूझ के द्वारा एक छोटे से समुदाय के लिए जो संविधान बनाया, वह सैंकड़ों–हजारों व्यक्तियों के समूह को संगठित और सुव्यवस्थित रखने के लिए पर्याप्त है। विगत तेइस दशकों में उसकी किसी भी धारा में परिवर्तन की अपेक्षा नहीं हुई। यह संभावना की जा सकती है कि आचार्य भिक्षु की अन्तर्दृष्टि खुल गई, प्रज्ञा जाग गई, इसी कारण वे शाश्वत उपयोगिता वाले संविधान का निर्माण कर सके।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

अध्यक्षीय

मर्यादा बने जीवन का आधार

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

मर्यादा के स्वर्णाक्षरों में बांध दिया जिसने तेरापंथ धर्मसंघ के स्वरूप को, संघ की नींव में भर दिया जिन्होंने सत्य और तप की तेजस्विता को, कस दिया ठोस आचार संहिता में अध्यात्म की अरुणिमा को, उस महामना मर्यादा मंदार आर्य पुरुष आचार्य भिक्षु को कोटि-कोटि नमन। अभिनंदन उनके द्वारा अनुबन्धित तेरापंथ धर्म संघ की श्वेत वाहिनी के ओजस्वी सूरज आचार्य महाश्रमण को जो स्वयं मर्यादा के साक्षात सूर्य है।

धरती ने श्रृंगार किया, जब भिक्षु ने अवतार लिया।
तेरापंथ की नींव लगाकर हम सब पर उपकार किया।।
हे महापुरुष तुमने धरती पर, शक्ति का संचार किया।
जन-जन के आधार बने, और मर्यादित ये संघ दिया।।

तेरापंथ धर्मसंघ आज जिन ऊँचाइयों को छू रहा है उसके पीछे एकमात्र कारण ये मर्यादाएं है। मर्यादा वह मशाल है जो जिन्दगी को जगमगा देती है। मर्यादा वह पतवार है जो जिन्दगी की नाव को उस पार पहुँचा देती है। मर्यादा वह उष्मा है जो शीतकाल की ठण्डी बयार को सहने की क्षमता प्रदान करती है मर्यादा आत्म संयम का वह द्वीप है जो आंकाक्षाओं के सागर में बहते हुए मनुष्य के लिए सुदृढ़ आश्वासन है। निरन्तर प्रगति तथा विकास के लिए जो सुनिश्चित रेखाएं खींची जाती है उन्हें मर्यादा कहा जाता है किसी कवि ने कहा है -

सिर्फ एक अनुशासन भर है। मर्यादा जंजीर नहीं।।
यह तो पावन अर्ष पथ है। पिटी हुई लकीर नहीं।।

करीब अढ़ाई शताब्दी पूर्व मेवाड़ की पुण्य धरा पर जन्मा था एक महामानव। जिसने सन्यास स्वीकार कर एक धर्मक्रान्ति का शंखनाद फूंका। वह महामानव और कोई नहीं तेरापंथ के आद्य प्रणेता आचार्य भिक्षु थे, जिन्होंने अपने लौह हाथों से जो लकीरें खींची, वे लकीरें आज इस संघ की मर्यादाएं बन गई। मर्यादा की मीनारों पर अवस्थित भव्य इमारत है तेरापंथ। तेरापंथ की आन, बान और शान का प्रतीक है - मर्यादा महोत्सव। जिसका आगाज होगा दिनांक 16, 17, 18 और 19 फरवरी 2021 को रायपुर (छत्तीसगढ़) में। यह आलोकिक महोत्सव हर वर्ष मनाया जाता है वैसे तो प्रत्येक समाज, राष्ट्र और संघ का एक संविधान होता है परन्तु तेरापंथ के संविधान की यह विशेषता है कि उसका केवल वचन ही नहीं बल्कि हृदय से पालन भी होता है। हर चर्तुदशी को हाजरी के वाचन के साथ जो मर्यादाएं आचार्य भिक्षु द्वारा बतलाई गई थी उन मर्यादाओं को साधु-साध्वियों द्वारा आस्था से दोहराई जाती है। आचार्य भिक्षु ने संविधान का निर्माण कर उसे सुदृढ़ता प्रदान की तो श्री मज्जाचार्य ने इसे जन-जन के मन में प्रतिष्ठित करने का सफलतम प्रयास किया। तेरापंथ धर्मसंघ तेजस्वी संघ है इसकी तेजस्विता के स्त्रोत है आत्मानुशासन, आत्म नियन्त्रण और आत्म संयम की प्रबल भावना। एक आचाार, एक विचार और एक आचार्य, यही है तेरापंथ की मूल मर्यादा।

हमारे सामने जातिवाद, सम्प्रदायवाद, संकीर्ण राजनीति का विस्तृत जंगल है। सीमा लांघता

भ्रष्टाचार है, यौन कुष्ठाग्रास्त दरिन्दे है, हमारी बच्चियां सहमी हुई है। नशे में डूबे हुए युवा है। ड्रिंक्स, डांस व ड्रग्स में डूबी युवाशक्ति अप संस्कृति की और बढ़ रही है, चारों तरफ झूठ है, गोदाम भरे है पर पेट खाली है। चरित्र की निष्ठा चरमराने लगी है। अनन्त इच्छाएं सामाजिक असंतुलन का कारण बन रही है। इसका कारण है हम उद्देश्य विहीन बन चुके हैं। हमें आसमान को छूने का प्रयास करने का पूरा अधिकार है पर पांव जमी पर बने रहे। आचार्य तुलसी ने उद्घोष दिया – निज पर शासन फिर अनुशासन। इस पांच शब्दों में मानो जीवन के सम्पूर्ण संविधान को समेट दिया।

हम दूसरों की आलोचना करने में सबसे आगे पर काम करने में सबसे पीछे – यह नहीं चलेगा। ठोकरें केवल धूल उड़ाती है धरती में फसलें नहीं उगाया करती। मर्यादा के बीज अंतरिक्ष में नहीं बोये जा सकते, इसके लिए जन-जन के मन को उर्वर बनाना होगा। कटु भाषा के प्रयोग से वातावरण में उत्तेजना बढ़ने का मौका मिलता है इसलिए हमें वाणी की शालीनता को बनाये रखना है। विकास की उपलब्धियां हमें ताकतवर बनाएगी, किन्तु मर्यादा और अनुशासन हमें महान बनायेंगे। शायद इसीलिए जयप्रकाश नारायण बाबू ने घोषणा की थी कि तेरापंथ की मर्यादाएं सचमुच क्रान्तिकारी है। अगर इन मर्यादाओं को देश भर में स्थापित कर दिया जाये तो राष्ट्र की छवि बदलते देर नहीं लगेगी।

मर्यादा एक रक्षा कवच है, जो रिश्तों में सौरभ भरता है। मर्यादा जीवन निर्माण का सोपान है जो प्रगति की दिशा का संदेश और संकेत है। नदी, सागर, सरोवर मर्यादा में रहते हुए अच्छे लगते हैं। मर्यादा अतिक्रमण से प्रलय के पर्याय बन जाते हैं। मर्यादा की लक्ष्मणरेखा के भंग होने से किसी सीता का हरण हो जाता है। द्रौपदी के वाणी रूपी मर्यादा के लंघन से महाभारत हो जाता है। मर्यादा ईश्वर का संदेश है। महान् आचार्यों का उपदेश है। मर्यादा सफलता का नवोन्मेष है। मर्यादा नियमित, अनुशासित शैली का प्रवेश है। सद्संस्कारों का समावेश है। यह आनन्दमय, कल्याणमय, सुखमय, निरामय जीवन का प्राणतत्व है। चाहे बालवय हो या किशोरवय, युवा हो या बुजुर्ग, नर हो या नारी, शिक्षका हो या शिक्षार्थी, राजनेता हो या अभिनेता सबके लिये मर्यादा प्रसन्नता, पवित्रता का रयासन है। Happy, Healthy and Wealthy Life का संजीवन है।

ऐसा है हमारा..... आपका..... अपना सबसे न्यारा तेरापंथ, इसकी पुनीत छांह जिन्दगी की हर एक मुसीबत की झुलसती धूप में सकून देती है।

वाकई तेरापंथ जैसा दिव्य-भव्य..... अनुपमेय, अद्वितीय धर्मशासन..... भाग्यशालियों को ही मिलता है। गर्व करें कि हम उस शासन के सैनिक है जिसके कण-कण में अनुशासन और मर्यादा..... की सौंधी खुशबू, अमल धवलाचार की साधना को चन्दनवन सा महकाती है।

मर्यादित व्यक्ति हर समय मस्त रहता है।
मर्यादित व्यक्ति सबकी दृष्टि में विश्वस्त रहता है।।
मर्यादामय जिनका जीवन बन जाता है साथियों।
वह हर घड़ी, हर क्षण, हर पल में स्वस्थ रहता है।।

आपकी
पुष्पा बैद

LEARN • UNLEARN • RELEARN

LEARN • UNLEARN • RELEARN

प्यारी बहनों,

मर्यादा और अनुशासन के अभाव में व्यक्ति जीवन के आर्दश को प्राप्त नहीं कर सकता। तथा जीवन को उच्श्रृंखल बना देता है वह राष्ट्र, समाज या संघ कभी भी विकास नहीं कर सकता जहां अनुशासन, व्यवस्था और मर्यादा के प्रति आस्था का भाव नहीं है। आस्था के अभाव में मर्यादाएं हमारा कल्याण नहीं कर सकती। हमें मर्यादा के साथ कैसे जीएं, क्या अपनाएं, क्या छोड़ें ?

आओ बहनें ! मर्यादा पर कार्यशाला करें जिसमें सीखें हम मर्यादा को जीवन में अपनाकर कैसे सुखी जीवन जीएं।

LEARN -

1. हमें मर्यादा अनुशासन तथा संयम के महत्वपूर्ण सोपानों का आधार नहीं मिलेगा तो न मर्यादाओं की रक्षा होगी, न अनुशासन और संयम सुदृढ़ बनेंगे। संकल्प नहीं तो संयम नहीं, संयम नहीं तो अनुशासन नहीं। अनुशासन नहीं तो मर्यादा असुरक्षित।
2. एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की, एक समाज दूसरे समाज की और एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र की स्वतंत्रता को न छीने – इसी का नाम मर्यादा है।
3. मर्यादित जीवन जीने का संकल्प सामाजिकता की बुनियाद में पहली ईंट है वही जीवन महत्वपूर्ण और आकर्षक होता है जो मर्यादित होता है।

UNLEARN -

1. जो मर्यादा में नहीं रहना चाहता वह मर्यादाहीनता के दुष्परिणाम भोगकर दुःखी हो जाता है। जैसे आज के युवावर्ग, ड्रग्स, डांस व ड्रिंक्स की जिन्दगी में अपना सब कुछ तबाह कर देते हैं।
2. घर में बड़ों की आज्ञा, मर्यादा में न रहने से आज संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं। एकता विखंडित हो रही है।
3. खाने-पीने का संयम या मर्यादा न रखने से अनेक शारीरिक तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

RELEARN -

1. हम वाणी का दुरुपयोग न करें, उचित व मधुर भाषा का प्रयोग करें। गलत भाषा के प्रयोग (जैसे अंधे का बेटा अंधा) से महाभारत का युद्ध हो गया।
2. राजा रावण इतना शक्तिशाली व बुद्धिमान होकर भी मर्यादा में नहीं रहने से रावण तो मरा ही साथ में लंका दहन भी हुई।
3. अपनी मर्यादा व लक्ष्मण रेखा को कभी पार न करें वरना वही हाल होता है जो हाल सीता का हुआ।

कंठस्थ ज्ञान

इस बार कल्याण मंदिर स्त्रोत का 13 वें श्लोक से लेकर 16 वें श्लोक तक याद करने का लक्ष्य रखें।

इस बार 15 वें तीर्थंकर श्री धर्म प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

सौम्य सुधामयी असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री के मनोनयन स्वर्ण जयंती दिवस

पर महिला समाज का

श्रद्धासिक्त वंदन ! अभिवंदन !! अभिनंदन !!!

तीन आचार्यों के इतिहास दुलर्भ युग साक्षी रही असाधारण महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री के स्वर्ण चयन दिवस पर आधी दुनिया की ओर से अंत करण से अभिवंदना अर्पण

चंदेरी की चन्द्रकान्तामणी, जन-जन के मन भाई
महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री, जागृति की शहनाई
मनोनयन का पर्व पुनीत, आओ सभी मनाएं
भाग्य विधाता के चरणों में, श्रद्धा अर्घ्य चढ़ाएं।।

अध्यात्म के उर्जस्वल नीलाम्बर में उड़ान भरने की निष्काम आकांक्षा सीने में लिये महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री कनक प्रभाजी ने तेरापंथ आंगन में भावी के भाल पर नव निर्माण के छंद रचने अपना पहला कदम रखा, वे चरण क्या बढ़ें मंजिलों के सफर पर स्वयं रास्तों को अपने होने पर गर्व होने लगा।

महामनस्वी, युग मनीषा, ज्योतिपुंज, ऋतंभरा प्रज्ञा के मन में जो ठान लिया जाता है उसे हर मायने में आकृति में बदलना ही होता है। इस सत्य का साक्षात संघ महानिदेशिका साध्वी प्रमुखाश्रीजी के आर्दशों में किया जा सकता है। आप भैक्षव गण नंदनवन की आठवीं साध्वी प्रमुखा प्रवरा है। आपके मुर्धन्य शिल्पकार पूज्य गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी ने आपको तेरापंथ की तरूणिमा नाम से पुकारा। आपको महाश्रमणी, संघ महानिदेशिका अलंकरण से अलंकृत कर नारी जाती के गर्व को आसमानी विस्तार दिया। ज्योर्तिमय गुरुदेव श्री तुलसी, प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ से युगप्रधान आचार्य की पुनीत शासना में आपने न केवल तेरापंथ की साध्वी समाज की वलगा थामी बल्कि महिला समाज में नत्य जागरण का शंखनाद किया। इक्कीसवीं सदी के सीने पर आप वीतराग कल्प ज्योतिरादित्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के अवगृह में निर्माण के नये अध्याय लिख रहे हैं।

आप जैन शासन, तेरापंथ और मानवता के बीच वह सेतू है, जिनका रोम-रोम में ''सर्व भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया'' सूत्र का प्रतिक्षण अनुशीलन करता है, आप सौम्यता, सृजनता, सहनशीलता, शुचिता, समर्पण और स्फुरणा की बेमिसाल मिसाल है। वदना नंदन सदा ही आपमें महासती सरदारांजी और महासती गुलाबांजी की झलक देखते थे, किसी ने आपमें बोद्ध भिक्षणी का रूप देखा तो किसी ने मदर टेरेसा का प्रतिरूप, किसी ने सरस्वती का अवतार माना तो किसी ने बेलुड़मठ की माँ शारदा की दिव्यता को महसुस किया।

विक्रम सम्वत् श्रावण कृष्णा त्रयोदशी कलकत्ता का मातृत्व सेवा सदन गोधुली बेला का अमल पितांबरी पल। माँ छोटी देवी की रत्नगर्भा कुक्षि से श्रेष्ठि श्री सुरजमल जी बैद के घर आँगन पर अपने नन्हें शरीर में अनहद दिव्यता समेटे कलावती का जन्म हुआ। चंद्रमा की सम्पूर्ण कलाओं को स्वयं में धारण किये हुए मनहारी कला अंतःकरण की निवासिनी, अध्यात्म की अनुरागिनी रही। पिघलता रक्ष समय और वातावरण ने आपको इस कायनात में आने के उद्देश्य से रूबरू करवाया, फलतः आप इस अनित्य संसार से निस्पृह हो सर्वसिद्धा भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी को दिव्य उजाले बांटती सुबह की छांह में

पारमार्थिक शिक्षण संस्था की देहलीज पर अपने मखमली चरण धरे। चार वर्ष के साधना की जीवटता की अनुभूति के साथ परिषह की कसौटियों पर स्वयं को कसने और धरती के भगवान गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के चरण कमलों में मुमुक्षु कलावती व महाव्रतों की वीतराग यात्रा पर पांव पांव चलने सर्वात्मना समर्पित हो गई। वह सुपावन क्षण था विक्रम सम्वत 2017 आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा का, तेरापंथ धर्मसंघ के द्विशताब्दी वर्ष के पुण्य प्रसंग पर तेरापंथ की सरजमीं केलवा में तेरह मुमुक्षु भाई-बहनों के साथ दीक्षित हुई मुमुक्षु कलावती। कौन जानता था, किसे पता था आषाढ़ी पूर्णिमा की मुमुक्षु कलावती में महामहिम आचार्य श्री तुलसी भावी साध्वी समाज के नेतृत्व की नक्काशी कर रहे थे।

जो हर रूप में सम्पूर्ण है, जो श्री महाश्रमण की दृष्टि में असाधारण है, जो जनमानस में मातृ रूप में प्रतिष्ठित है, क्षण कितना भी चुनौतियों से लबरेज क्यूं ना हो आराध्य के प्रति आस्था की गहराई का जो एक कतरा भी कम नहीं होने देते, वात्सल्य और अनुशासन, वैदुष्य और सादगी, जहां एक साथ अठखेलियां करते हैं, सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए जिनकी हर सांसे संवेदना पिरोती है, तुलसी-महाप्रज्ञ-महाश्रमण के सपनों का महिला समाज गढ़ने में जो रोम-रोम अहोनिशी प्रतिबद्ध है - उन अप्रतिम, अनिर्वचनीय, अतुल्य व्यक्तित्व संघ महानिदेशिका साध्वी प्रमुखाश्री जी के 50 वें मनोनयन दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का श्रद्धासिक्त प्रणियात।

तुलसी युग की तरुणिमा, अनुपमेय कृति तुम
ममता की मंदाकिनी, मन मोहिनी मूरत तुम
लेखन शैली अनूठी, सरस्वती की वरद पुत्री तुम
नारी शक्ति का मान तुम अभिमान तुम
चयनदिवस मंगलकारी अर्पित श्रद्धा सुमन तव चरणनम्
रहो निरामय,बनो चिरायु अमृत रस बरसाओ तुम ।।

श्रीमती पुष्पा बैद, राष्ट्रीय अध्यक्ष

गंगोत्री सा मन है निर्मल, गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण।
आधी दुनिया को हो दर्पण, तन-मन-प्राण करें सब अर्पण।
दृष्टि से सृष्टि सरसाऐं, तेरी प्रज्ञा का शीतल चन्दन।
पांच दशक हुए चयन दिवस के, बहिनों का स्वीकारों वंदन।।

तेरापंथ धर्मसंघ में साध्वी प्रमुखा साध्वी समाज की सिरमौर होती है। आचार्यों और साध्वियों के बीच एक सशक्त सेतु का काम करती है। पूरे साध्वी समाज की धड़कन होती है।

महाश्रमणीवरम् ने थोड़े समय में ही पूरे समाज का दिल जीत लिया। सब पर आपकी पूरी स्नेहिल कृपा दृष्टि है। आपके परिष्कृत चिन्तन की रश्मियां जन-जन को आलोकित कर रही है। आज 50वें चयन दिवस पर पूरा महिला समाज यह कामना करता है युग-युग तक आपका दिशा-बोध, स्नेह संपोषण हमें मिलता रहे। मंगल कामना

श्रीमती शांता पुगलिया, चीफ ट्रस्टी-अभातेममं

साध्वी प्रमुखाश्री का व्यक्तित्व एवं कर्तत्व अपने आप में विशिष्ट है। अपने पुरुषार्थ, प्रतिभा एवं प्रशासन कौशल के आधार पर महाश्रमणी, महानिर्देशिका, असाधारण साध्वी प्रमुखाजी जैसे गरिमामय पदों को गौरवान्वित करती हुई आज अध्यात्म जगत की विशिष्ट शक्ति के रूप में वंदित, अभिवंदित हो रही है।

चयन दिवस की अर्द्धसदी का सफरनामा साक्षी है। स्वर्णाक्षरों में लिखे इतिहास के ये स्वर्णिम पन्नें सदियों सहस्त्र शताब्दियों तक आपकी गौरव गाथा गाता रहेगा। पुनः चयन दिवस पर मंगलकामना। शुभकामना, सादर सविधि वंदना।

श्रीमती तारा सुराणा, निदेशिका-अभातेममं

सरस्वती की सर्वोच्च साधिका सृजन का श्रृंगार हो, कल्याण के पथ पर अग्रसर तुम ममतामयी उपहार हो, समस्त जग को दे रही तुम, पोषण अमृत वाणी से निस्पृहता, आत्मनिष्ठा, निश्चलता गुरु समर्पण का अनूठा आचार हो, आधी दुनिया की प्रमुख प्रतिनिधि आपके चयन दिवस पर मेरा श्रद्धाभरा वंदन
श्री चरणों में स्वीकार हो।।

श्रीमती सुशीला पटावरी, संरक्षिका-अभातेममं

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी का स्वर्णिम चयन दिवस धन्यता की अनुभूति है और पुरुषार्थ की गौरव गाथा है। एक बूंद जो सागर बन गई, एक पौध जो वट वृक्ष बन गई और एक स्वप्रकाशी दिव्य चेतना जो पूरे विश्व में पसर गई। असााधारण व्यक्तित्व व कर्तृत्व के प्रभाव से आपने भाग्य संवारा स्वयं का, संघ का, समाज का, महिला समाज का और समूचे संसार का। वात्सल्य व करूणा की मंदाकिनी मातृ हृदया साध्वी प्रमुखाश्रीजी के स्मरण मात्र से शीष स्वयं श्रद्धा से झुक जाता है। आप स्वस्थ रहें, निरामय रहे, सदा-सदा हमें आर्शीवर देती रहें। शत् शत् वंदना, अभिवंदना।

श्रीमती सायर बैंगानी, संरक्षिका-अभातेममं

मातृ हृदया, संघ निदेशिका, महाश्रमणी, साध्वी प्रमुखाश्री जी आप सृजन कर्ता है। आपश्री ने अतुल्य साहित्य सृजन के साथ बहुत से साहित्यकारों को प्रेरित किया है। आप विकास की एक मिसाल है।आप श्री ने स्वयं आदर्श जीवन जिया है और लाखों लोगों के लिए आदर्श है। आपश्री ने घर की चार दिवारी में रहने वाली बहनों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खड़ा किया है। साध्वी समुदाय का चौमुखी विकास आप की दूर दृष्टि, अनुशासन, प्रशिक्षण व प्रोत्साहन का सुपरिणाम है। हे मातृ हृदया आप जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है। 50 वें चयन दिवस पर शत शत वंदन। आप श्री पूर्ण स्वस्थ रहते हुए हम सब को वात्सल्य से सरोबार करवाती रहे। अभिवंदन अभिनंदन

श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, ट्रस्टी-अभातेममं

महाधिपति पूज्य गुरुदेव तुलसी के अनन्त आर्शिवाद और कृपा की शीतल छांव में सदा अपने विनय भाव के साथ असाधारण साध्वी प्रमुखा श्रीजी ने शुरुआत से ही अपने जीवन को गुरु दृष्टि के सांचे में समर्पित कर दिया। 50 वर्ष पूर्व जब गुरुदेवश्री ने आपको तेरापंथ धर्मसंघ की आठवीं साध्वी प्रमुखा चयनित किया, यह समर्पण सार्थक हुआ। आपकी सहजता, गंभीरता, विद्धता, प्रवचन क्षमता, लेखन व सम्पादन कला और नेतृत्व की हर क्षमता सम्पूर्ण नारी समाज के विकास में ही नहीं बल्कि इस धर्मसंघ के प्रभावशाली विकास में भी अति महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

आप जैसी भाग्यशाली, करूणामयी, सरस्वती स्वरूपा, सतिशेखरा, महाश्रमणी, संघ महानिदेशिका को वर्धापन भाव के साथ हार्दिक बधाई देते हुए आप पर नाज और गर्व की अनुभूति के साथ कोटि-कोटि अभिवन्दना।

श्रीमती सौभाग बैद, ट्रस्टी-अभातेममं

स्वर्ण जयंति का आगाज, मन में है हर्ष अपार।
दिल में है तुम्हारे रूप अनेक, लगता है कोई चमत्कार।
ब्रह्म मुहूर्त में लगती हो परम पवित्र साधिका।
गुरु दर्शन पर झलकती समर्पित विनम्र आराधिका।
जब अनुशासन करती हो तो लगती सरदार सती।
चिंतन की मुद्रा में लगती साक्षात सरस्वती।
करूणा तुममें ऐसी लगती मदर टेरेसा जैसी।
बुद्धि की विलक्षणता, ब्राहमी सुन्दरी जैसी।
दिल में रहती हो हरदम करती हूँ वंदन।
सिर को झुकाया और साक्षात किए दर्शन।
स्वर्ण जयन्ती का आगाज हीरक की है कामना।
असाधारण आपका चारित्र, निरामय रहे यह प्रार्थना।

श्रीमती कनक बरमेचा, राष्ट्रीय ट्रस्टी-अभातेममं

मातृ छाया ,ममता मूरत, प्रज्ञा की हो पारावार ।
साध्वी प्रमुखा महाश्रमणी जी, अभिवन्दन करो स्वीकार ।।
संघ समर्पण देख आपका, गुरू तुलसी ने किया चयन ।
गंगाशहर की पुण्य धरा पर, प्रमुखा पद पर मनोनयन ।।
कलावती की कला परख, साध्वी जन का सौंपा भार।
तीन तीन आचार्यों की, कृपा जो पाई अपरम्पार ।।
महाश्रमण गुरु की कृपा से, असाधारण उपमा पाई ।।
पचास वर्ष तक सींचा शासन, स्वर्णिम घड़ियां दे बधाई ।।
वन्दन,अभिवन्दन का अवसर, शीश झुका इजिहार करायें।
स्वस्थ हो तन, मन खुशहाल, गण का गौरव सदा बढ़ायें ।।
विनय भरी अनन्त शुभकामनाओं सहित

श्रीमती सूरज बरडिया, राष्ट्रीय ट्रस्टी-अभातेममं

अध्यात्म जगत की प्रखर चांदनी, कनक सी उजली आभा से आलोकित जीवन गूढ़ तत्वज्ञ, चरित्रनिष्ठ, दृढ़ संकल्पी, दूरदर्शी, प्रबुद्ध वात्सल्यमयी मातृहृदया साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी, जिन्होंने अपनी विलक्षण कर्तृत्व क्षमता से पाया है उपलब्धियों का अनन्त आकाश! सृजनशीलता, श्रमशुचिता, कर्मठता, विवेकशीलता से जिन्हें गुरु कृपा प्रसाद स्वरूप मिला ''असाधारण साध्वी का खिताब'' आपके प्रबल पुरुषार्थमय यशस्वी जीवन में स्वर्णिम चयन दिवस के कल्पतरू पर हमारे शुभ भावों की सौगात समर्पित है। ऊर्जा से परिपूर्ण सुदीर्घ स्वस्थ निरामय जीवन की मंगलकामना! कोटि-कोटि वंदन

श्रीमती मधु दुगड़, ट्रस्टी-अभातेममं

ममता की मंदाकिनी, समता की स्रोतस्विनी, आस्था की अरूणिमा, तुलसी युग की तरूणिमा, पुरुषार्थ की प्रतिमा, आगम की उपासिका, आज्ञा की आराधिका, समन्वय की साधिका, साधिकाओं की संरक्षिका, असाधारण साध्वी साध्वी प्रमुखाश्री के 50वें चयन दिवस पर श्रद्धा प्रणति वंदन। अभिनंदन के इन पलों में आत्मा के असंख्य प्रदेशों का अर्पण करते हुए दीर्घायु होने की मंगल कामना।

श्रीमती प्रियंका तातेड़, ट्रस्टी-अभातेममं

महिला समाज को सशक्त बनाया, सिखलाया जीवन व्यवहार
ममता की महासागर आप हो, अभिनन्दन करते शत बार
चैतन्य चेतना की रश्मि, समता का तुम पारावार
सहिष्णुता की मूरत तुम हो, अभिवन्दना चयन दिवस पर करते बारम्बार
तन से, मन से, नित स्वस्थ रहे, शताब्दी चयन दिवस की मनाऐं
कोस हजारों दूर है हम, भावों का ईजहार कराऐं
आर्शिवर देकर हम सबको, महिला समाज को कृत्य करायें
इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ

श्रीमती विमला नाहटा, परामर्शक-अभातेममं

हे जग कल्याणी, अमृत वाणी, नमन हमारा शत्-शत् बार।
संघ का गौरव, गण का सौरभ, नयनों से बहती करूणा धार।
तुलसी कृति असाधारण मूर्ति, पल्लवित पुष्पित संघ संस्कार।
कुशल नेत्री विश्व धृति, शासन स्तम्भ भिक्षु गण आधार।
विलक्षण प्रतिभा अद्भुत लेखिका, शांत चित्त से भर दिया गण भंडार।
उज्जवल करणी निर्मल भरणी, नारी जाति की शक्ति आधार।
अर्द्ध शती की श्रमणी प्रमुखा, निश्च्छल शासन नित नये अभिनव द्वार।
हे महाश्रमणी, जग कल्याणी, पार करनी, नमन हमार शत्-शत् बार।।

श्रीमती लता जैन, परामर्शक-अभातेममं

सात्विक प्रसन्नता एवं गौरव का विषय है कि आगामी दिनांक 9 फरवरी 2021 को महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी का 50वां चयन दिवस है। तेरापंथ धर्मसंघ में तीन महान आचार्यों के शासनकाल में 50 वर्षों तक साध्वी प्रमुखा के रूप में धर्मसंघ की सेवा करने वाली एक मात्र साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी हैं। आपकी संघ निष्ठा, गुरु निष्ठा एवं आचार निष्ठा बेजोड़ है। आपकी विनयशीलता, श्रमशीलता, स्वाध्यायशीलता, ग्रहणशीलता, रचनाधर्मिता, सहिष्णुता, वात्सल्यता, बहुश्रुतता जैसी अनेक विशिष्टताएं एवं अर्हताएं धर्मसंघ के इतिहास का एक उज्ज्वल और गौरवशाली शिलालेख है।

मैं मातृहृदया संघ महानिदेशिका साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के 50वें चयन दिवस पर उन्हें शत्-शत् वंदन करती हुई मंगलकामना करती हूं कि आप दीर्घकाल तक आचार्यश्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक संरक्षण में हम सबका पथदर्शन करती हुई धर्मसंघ की गौरव वृद्धि करती रहें।

श्रीमती संतोष चोरड़िया, परामर्शक-अभातेममं

चयन होना, करना एवं किसके द्वारा हुआ महत्वपूर्ण है। कोई अर्णत का उचड़िया, तेरापंथ संघ के लिए था वह चयन दिवस। एक साधारण, सरल, साम्राज्य की पूर्ण जौहरी गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी ने परखा निरखा एवं तराश कर हीरा बनाया एवं आज आचार्य श्री महाश्रमणजी की असाधारण साध्वी प्रमुखा बन कर शासन की शान बढ़ा रही है।

मैं कभी-कभी आश्चर्यचकित हो जाती हूँ कि आचार्यों की यात्राओं में हरदम सहभागी रही एवं न मानने वाली बात कि आचार्य महाश्रमणजी की दुर्गम यात्राओं में कभी आपने यात्रा नहीं छोड़ी। यह आपश्री के प्रति दृढ़ विश्वास आचार्यश्री का दर्शाता है। इन स्वर्णिम क्षणों के 50वें चयनित दिवस पर मैं श्रद्धापूर्वक वंदना करते हुए आपश्री के आगामी जीवन के हर लम्हें की मंगल कामना करती हूँ।

श्रीमती सायर मालू, परामर्शक-अभातेममं

मृदुता की मनहर सूरत का अभिनन्दन।
ऋजुता की सौम्य सूरत का अभिनन्दन।
देती है समता की पावन प्रेरणा जो।
जन-जन की जरूरत का अभिनन्दन।
शक्ति और भक्ति की युति का नाम है महाश्रमणी जी
शान्ति और क्रांति की युति का नाम है महाश्रमणी जी
गौरवान्वित है महिला मंडल आपकी मंगलमय सन्निधि से
बुद्धि और शुद्धि की श्रुति का नाम है महाश्रमणी जी

श्रीमती विजया मालू, परामर्शक-अभातेममं

चयन दिवस पर सती शेखरे!!! कर रहे अभिवंदना
संघ तुमसे है अलंकृत उत्तम तुम्हारी साधना।
स्वाति नक्षत्र की बूंद जैसे- सीपी पर गिर मोती बन जाती है
संक्षेत्र के निसृत सात रंगों की श्वेत रश्मि बन जाती है।
इस विलक्षण आभा मंडल में, मानो अंतः शक्ति जग जाती है।
चयन हुआ माँ शारदा के प्रतिरूप का, चयन हुआ प्रबल शौर्य पुरुषार्थ का,
चयन हुआ संघभक्ति के प्रतीक का,
चयन हुआ नारी जागृति की बिंदु से सिंधु की दिशा का।
तिलक लगा जब भाल आपके जागृति की जगी दीपशिखा।
संघ को प्रदान किया जो आपने स्वर्णाक्षरों में है लिखा।।
जुग जुग जीओ सती शिरोमणि! संघ पोषित होता रहे,
लहर का कर पकड़ उस पर जाने का अदम्य साहस मिलता रहे।।

श्रीमती नीलम सेठिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अभातेममं

असाधारण साध्वी प्रमुखा श्री जी का जीवन तेजस्विता, यशस्वीता और वर्चस्विता का अनुपम संगम है। पांच दशक के प्रमुखा पद के काल खण्ड में आपने स्व विकास की पगडंडी का आरोहण कर तीन तीन आचार्यों के कुशल नेतृत्व में सिद्ध हस्त पुरूषार्थ का विरल उदाहरण प्रस्तुत किया है। आपके प्रबंधन कौशल, साहित्य साधना, प्रखर वक्तृत्व शैली, और तेजोमयी कर्म कुंजी में ऐसा चुम्बकीय आकर्षण है जो आपके ज्ञान, दर्शन और चारित्र के त्रिवेणी संगम आचरण को सहज उद्घाटित करता है। आप नारी शक्ति का अनुपमेय गौरव है। आपके जीवन में आराध्य के उपासक,सरस्वती के साधक और सर्वश्री के आराधक का बेजोड़ समर्पण परिलक्षित होता है। आपकी परम पावन संतता को नमन करती हुईं साध्वी प्रमुखा के इस पचासवें चयन दिवस पर सर्वस्व मंगल कामना समर्पित कर कर्तज्ञता व्यक्त करती हूं। नारी शक्ति के अमिट यशस्वी सशक्त हस्ताक्षर को श्रद्धा भरा वंदन, अभिनंदन।

श्रीमती सरिता डागा, उपाध्यक्ष-अभातेममं

मातृहृदया महाश्रमणीजी के, कैसे हम उपकार भुलाये, संघनिष्ठा संघसमर्पित बन, चहकी है चहुँ दिशाएं,
नारीजाति का बन गौरव, सुरभित किया उपवन, अनन्त ऊर्जा से पल्लवित, किये कई सृजन,
साधारण नही हैं आप, तभी असाधारण कहलाई, पच्चास वर्ष तक गण को संभाला, साध्वियों की बन परछाई,
आपके हर रूप में समाहित, नारी का सम्मान, नमन करें हम हर रूप को, अनूठी बनाई है पहचान,
चयनदिवस का पर्व सुहाना, देते हैं हम बधाई, बारम्बार करे वंदन, ये स्वर्णिम घड़ियां आई।

श्रीमती तरुणा बोहरा, राष्ट्रीय महामंत्री-अभातेममं

हे अनन्त शक्ति के स्तोत्र तुझे प्रणाम
हे नव जागृति के प्रकाश तुझे प्रणाम
हे नवीन आयामों के सृजक तुझे प्रणाम
हे सत्य साधना के सागर तुझे प्रणाम
हे ममता के महासागर तुझे प्रणाम
हे पवित्रता के तीर्थधाम तुझे प्रणाम
हे जीवन नैया के खेवनहार तुझे प्रणाम
हे संघ महानिदेशिका तुझे प्रणाम
हे करूणा ओर वात्सल्य की प्रतिमूर्ति तुझे प्रणाम
हे भवरोग मिटाने वाले चिकित्सक तुझे प्रणाम
पुण्योदय से हमें मिला कृपा का अनुपम धाम
कृतज्ञ भाव से श्रद्धानत हो, सौ-सौ बार करें प्रणाम
50 वां पदाभिषेक पर वन्दन, हार्दिक अभिनन्दन
स्वीकार करें सिलोंग से रंजू का भावभरा प्रणाम।

श्रीमती रंजु लुणिया, कोषाध्यक्ष-अभातेममं

सृजनशील व्यक्तित्व,
निखरा तुम्हारा कर्तृत्व
नारी जाति की आन,
तुम हो संघ की शान
गुरु के कर्तृत्व की निशानी,
नारी जागृति की कहानी।
हम सब की आस्था का धाम,
बढ़ाया मानवता का मान।।
असाधारण व्यक्तित्व तुम्हारा,
विश्व क्षितिज पर फैला नाम
शत् शत् वंदन अभिनंदन,
स्वीकारो सतिवर प्रणाम।।

श्रीमती मधु देरासरिया, सहमंत्री-अभातेममं

युगों युगों में कभी-कभी, यह धरा ऐसी विभुती को जन्म देती है कि, वह विदुषी नारी अपने प्रकाश से समूचे देश को प्रकाशमान कर देती है। ऐसी ही एक आध्यात्मिक विभुती, जो अपने नाम, पद और यश से दूर, तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वी प्रमुखा है। आप अद्भभुत शब्दों की शिल्पकार हैं, वहीं वांग्मयी शैली, बौद्धिक प्रतिभा के कारण सफलता आपके चरणों की चैरी है। जीवन पर्यन्त अपनी तपस्या से न केवल नारी शक्ति को प्रेरणा पाथेय दिया, वरन सम्पूर्ण देश की आध्यात्मिक शक्तियां भी आपसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहीं।

गुरु चरणों में हर साँस समर्पित, असाधारण ममतामयी मातृहृदया साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी के चयन दिवस पर कोटिशः वंदन

श्रीमती नीतू ओस्तवाल, सहमंत्री-अभातेममं

सृजनशीलता आपकी नित नवीन आलोक दिखाती जग को,
हर बाधा, हर कशमकश दूर कर,पावन करती मन को,
सृजन आपका शुभ मंगल, सरस वाणी सुंदरतम है,
मनुज हृदय में मानवता भरने का उपक्रम है।
गुरु तुलसी की कृति तुम! सादर नमन करें हम,
सती शेखरे तेरे दिव्य चरणों में, सादर नमन करें हम।।

श्रीमती निधि सेखानी, प्रचार प्रसार मंत्री-अभातेममं

नारी जाति की अनुपम, आकर्षक मूरत का अभिनंदन।
मर्यादा, ममता की मिश्रित, अद्भुत सूरत का अभिनंदन।
संयम शिखर के आराधक, समत्वं व्यक्तित्व का अभिनंदन।
साहित्य सृजन को समर्पित, पुरुषार्थी कर्तृत्व का अभिनंदन।
मातृत्व रस बरसाने वाले, अविरल माधुर्य का अभिनंदन।
गुरु भक्ति का उत्कृष्ट बताते, अनुपम सौन्दर्य का अभिनंदन।
समता सरलता, सहजता के, जीवन श्रृंगार का अभिनंदन।
प्रेम, स्नेह और वात्सल्य के, मानव व्यवहार का अभिनंदन।।

श्रीमती सोनम बागरेचा, सह प्रचार प्रसार मंत्री-अभातेममं

अध्यात्म की उच्चतम परम्पराओं से आबद्ध एक महान विभूति-महाश्रमणी असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के चयन दिवस पर कोटि-कोटि नमन।

श्रद्धा रूपी दीप शिखा का हो प्रकाश मन आंगन में।
आप, मानवता के फूल मनोहर खिले रहे गण उपवन में।।
ना शब्दों का ज्ञान है मुझमें, न अर्थ की गहराई आती है।
इस दीपक में तेल नहीं, केवल इसमें बाती है।।
जो अज्ञान का तम है, अपनी आभा से भर दो।
दिव्य ज्ञान की जोत जलाकर, मन को आलोकित कर दो।।

श्रीमती रमन पटावरी, कन्या मंडल प्रभारी-अभातेममं

ऋजुता मृदुता से आप्लावित,
प्रतिपल रहती है जो अनुशासित।
गुरु तुलसी, महाप्रज्ञ उनमें परिलक्षित,
आचार्य महाश्रमण के प्रति समर्पित।
धर्म संघ है आपसे पूर्ण अलंकृत,
आपसे मार्गदर्शन पा हुए हम उर्जित।।
ऐसी विलक्षण प्रतिभा को करती वंदना अर्पित।।

श्रीमती नमिता सिंघी,
कन्या मंडल सह प्रभारी-अभातेममं.

हे ममतामयी माँ! तेरे उपकारों की गाथा मैं कैसे गाऊँ?
पूरे अम्बर को मैं कागज कैसे बनाऊँ?
माँ! तू है कितनी महान, जग को मैं कैसे बतलाऊँ?
तेरी महिमा गाने को मैं शब्द कहां से लाऊँ?
कालजयी व्यक्तित्व तुम्हारा, सदा अमर बना रहे,
जीवन की ज्योति से ज्योतित, जीवन सदा निरामय रहे।
अनगिन पत्थर को प्रतिमा का रूप दिया तुमने,
माँ! तेरी करूणा का दरिया, यूं ही सदा बहता रहे।।
चयन दिवस की स्वर्ण जयंती, मांग रही 'कुमुद' वरदान,
देना मुझे हर पल तव आंचल में स्थान।
भर देना मुझ में ऐसी शक्ति, कर पाऊँ तव निर्मल भक्ति,
आ जाये तुझ सी अनुरक्ति, मिल जाये इस भव में मुक्ति।।
चयन दिवस की स्वर्ण जयंती के मंगल शुभारंभ पर
शत्-शत् अभिवंदना।

श्रीमती कुमुद कच्छारा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष-अभातेममं

अमृता' की अमृतमयी आंखों से, झर- झर झरते स्नेह कण चहुं ओर ।
कला की विविध कलाओं से, होता मां सरस्वती का साक्षात्कार ।
करुणामयी वाणी से होते, पुलकित मन वीणा के तार।
अद्भुत समर्पण, सहज-सरलता, मातृत्व का अनुपम उपहार ।
असाधारण साध्वीप्रमुखा के चयन दिवस पर,
श्रध्दासिक्त वंदन शत-शत बार ।।

श्रीमती पुष्पा बैंगानी, रा.का.स.-अभातेममं

कनक रश्मि के आने से फैला भू पर आलोक सुनहरा।
स्वर्णिम चयन दिवस आया, गौरवान्वित संघ हमारा।।
तुलसी, महाप्रज्ञ, महाश्रमण, सन्निधि में निखरा कर्तृत्व तुम्हारा।
सम, शम, श्रम के मूलमंत्र से, नित्य स्वयं को संवारा।।
नारी जीवन की बन गरिमा, विकास का नव द्वार दिखाया।
नये सोपानों पर आरोहण करने हेतु प्रगति का पथ दिखलाया।।
श्रद्धा, भक्ति का उपहार करूं, मैं अर्पण तव चरणों में।
माघ कृष्णा तेरस का दिन आया, खुशियां छायी घर-घर में।।

श्रीमती मंजू भूतोड़िया,रा.का.स.-अभातेममं

अध्यात्म साधना की शिखर यात्रा में अविरल तुम चलती हो।
ममतामयी माँ आप सबके दिलों में बसती हो ।।
चयन दिवस के पन्नों में प्रेरणादायी कहानी हो
बार बार दिन ये आये जब तक सागर में पानी हो
करुणा, कोमलता, उच्च विचार, आपकी हर बात अमल हो
हरदम मुस्कुराती ऐसे तुम जैसे झील में हँसता कमल हो
पावन सान्निध्य आपका माँ तन मन चंदन करता रहे ।
मानवता के मधुर झरने में अमृत रस बरसता रहे ।
तेरे श्री चरणों में माँ खिलता रहे ये मन सुमन ।
चयन दिवस के अवसर पर करूँ सहस्त्रोबार वंदन ।।

श्रीमती सुमन नाहटा, रा.का.स.-अभातेममं

आचार्य तुलसी की महनीय कृति ज्ञान की गंगोत्री, करूणा की कालिन्दी असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी को 50वें चयन वर्ष में शुभ आरोहण पर अनन्त मंगलकामना, अभिवंदना
हे महाश्रमणी, हे मातृहृदया अद्भुत तेरी पहचान
गजब है तेरी संघ निष्ठा तू ही गुणों की शान
तप त्याग की प्रतिमूति, किस विधि करें तेरा गुणगान
प्रमुखा पद की स्वर्णिम वर्ष में आरोहण
करते हैं आपको शत् शत् वंदन
इतनी सी आशा है मन में
तेरी शरण में हमारा हो कल्याण।

श्रीमती कल्पना बैद, रा.का.स.-अभातेममं

किस्मत किसी की सखी नहीं, फिर भी.... तुनक-तुनक कर रूठ जाती है, और माँ
नानाविध रूपों में ढलकर मुझको खूब समझती है।।1।।
बुद्धि लोहा नहीं फिर भी..... जंग लग जाती है और माँ
अर्न्तज्ञान की लौ जलाकर सूनी राहों में रौशनी सजाती है।।2।।
आत्म प्रतिष्ठा शरीर नहीं फिर भी..... बार-बार घायल हो जाती है और माँ
मेरा अभिमान बनकर, घावों को मीठे से सहला जाती है।।3।।
इन्सानियत मौसमी हवा नहीं फिर भी..... कदम-कदम पर बदल जाती है और माँ
हर मौसम से लड़कर, ताउम्र ठण्डी छांव लुटाती है।।4।।
सात समन्दर की स्याही लाकर भी.... तेरी महिमा लिख पाऊँ, ऐसी मेरी औकात नहीं
दिया बहुत, दे रही निरन्तर, हे माँ कुछ दे पाऊँ तुझको, दुनिया में ऐसी सौगात नहीं।।5।।
तेरे चरणों की धूलि है चन्दन, वन्दन-वन्दन अभिवन्दन

श्रीमती वीणा बैद, रा.का.स.-अभातेममं

परम श्रद्धेय गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी ने पांच दशक पूर्व श्रद्धेय साध्वी प्रमुखा श्री कनक प्रभा जी को साध्वी प्रमुखा पद पर प्रतिष्ठित कर समूचे महिला समाज को शुभ भविष्य का वरदान दिया। महिलाओं के विकास के लिए सतत चिंतनशील, ममता और वैदुष्य की मूर्तमान रूप, हम सब की प्रेरणा स्रोत साध्वीप्रमुखाश्री जी के पचासवें चयन दिवस पर कोटिशः वंदन। श्रद्धेय महाश्रमणीजी के भव्य व्यक्तित्व द्वारा सतत प्रवाहमान स्नेह सुधा की पुण्य सलिला गंगा में महिला समाज युगों तक अवगाहन करता रहे और जीवन मूल्यों का प्रसाद प्राप्त करता रहे। अनंत भक्तिभावों से परिपूर्ण श्रद्धाभरा नमन।

श्रीमती सुनिता जैन, रा.का.स.-अभातेममं

श्रद्धा, समर्पण और साधना की दिव्य प्रतिमा असाधारण साध्वी प्रमुखा श्री कनक प्रभाजी का अद्वितीय व्यक्तित्व नारी जाति का गौरव है। अनुशासन के फूलों में विनय की सौरभ भरकर पूरे समाज का अगाध विश्वास प्राप्त किया है। कुशल लेखिका महादेवी वर्मा, अमृता प्रीतम सी कवयित्री, श्रमशीलता, सजगता, निर्विकारता की जीवंत साक्षी महाश्रमणीजी ने विकास में अपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। आप श्री के कुशल नेतृत्व में जहां साध्वी समाज ने सर्वांगीण विकास के शिखरों को छूने का प्रयास किया है वहीं महिला समाज ने भी चहुँमुखी विकास की डगर पर चरणन्यास किया है । ऐसे विरल व्यक्तित्व की धनी साध्वी प्रमुखा श्री जी को चयन दिवस पर हार्दिक अभिवन्दना

श्रीमतली निर्मला चण्डालिया, रा.का.स., अभातेममं

ऊर्जा का उत्तुंग हिमालय, समर्पण और विनम्रता की वैतरणी, संघमहानिदेशिका असाधारण महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी के चरणारविन्द में शत शत नमन और चयन दिवस की स्वर्ण जयंती के स्वर्णिम अवसर पर अभिवंदन अभिनन्दन!!

पांच दशक पूर्व आज ही के दिन आचार्य श्री तुलसी द्वारा साध्वी संघ के नेतृत्व का,देखरेख करने का दायित्व हीरे की तरह तराशी हुई प्रतिभाशाली, विनयशील सुशिष्या कनकप्रभा जी को सौंपा गया।आपकी प्रगतिशील सोच से नव उन्मेषों ने विकास का आरोहण किया।आपके नेतृत्व और उन्नत चिंतन ने साध्वियों, समणीवृन्द और श्राविकाओं का अभूतपूर्व विकास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धर्मसंघ की पहचान बनाई है।

हे संघ गौरव,हे नारी गौरव आप चिरायु हो, दिर्घायु हों।

श्रीमती अर्चना भंडारी, रा.का.स.-अभातेममं

भक्ति और शक्ति का नाम है, संघ महानिर्देशिका कनक प्रभा, जो कृति चरित्र के अंतरंग अनुशासन को उससे जन्मी अभीपसा, संकल्प जीवनचर्या, संयम, सेवा और कार्य-कौशल इस त्रयी का दर्शन जिनमें किया जा सकता है वैसी असाधारण साध्वी प्रमुखा के 50वें चयन दिवस पर जोधपुर से कनक बैद का शत-शत नमन। आप तेरापंथ शासन की एक विभूति है आप के इस अनमोल दिवस पर श्रद्धानत वंदन।

श्रीमती कनक बैद, रा.का.स.-अभातेममं

श्रद्धा, समर्पण, सादगी की प्रतिमूर्ति ममतामयी असाधारण साध्वी प्रमुखा श्री जी को
चयन दिवस की अर्धशताब्दी पर हार्दिक अभिनंदन
चंदेरी की रत्नमणि, दिव्यता का अवतरण
उद्भव रश्मि आपका हार्दिक अभिनंदन !
संयम के शिखर की संन्यास रश्मि आपका हार्दिक अभिनंदन!
श्रम की कलम सें नये इतिहास की संरचना करने वाली.....
दायित्व रश्मि आपका हार्दिक अभिनंदन!
गुरू के हर इंगित को आकार देने वाली
विकास रश्मि आपका हार्दिक अभिनंदन!
पुरूषार्थ की महागाथा लिखनें वाली ...
कर्तृत्व रश्मि आपका हार्दिक अभिनंदन !
साहित्य जगत की अनमोल धरोहर,सरस्वती का स्वरूप
सृजन रश्मि आपका हार्दिक अभिनंदन !
तेरी जीवन पोथी का हर, पन्ना हैं उजला उजला
तेरी श्रम बुंदों सें देखो,कैसा गण का रंग निखरा
साम्य योग की प्रवर साधिका, तुम हो सर्वोत्तम उपमान !
तेरे सपनें सच में बदलें दे हमको ऐसा वरदान ।।

श्रीमती शशि बोहरा, रा.का.स.,-अभातेममं

सादगी और सेवा का आप हो अनुपम संगम,
गुरुनिष्ठा से कुंदन की तरह निखरी है हरदम,
वात्सल्यता की प्रतिमा बन संघ में माँ स्वरूप,
सृजनता की शक्ति से उभरे नित कई रूप,
नारी शक्ति व संस्कृति की शान को वंदना,
असाधारण ममतामयी प्रमुखश्रीजी को
50 वें चयनदिवस पर शत शत अभिवंदना।

श्रीमती कांता डूंगरवाल, रा.का.स.-अभातेममं

स्वर्ण प्रातः को पाकर छाई
जन-जन में अभिनव पुलकन
स्वर्ण रश्मियों के स्पर्शन से
कण कण में महके थिरकन
जिनकी एक एक रश्मि से हर पल खिलता रहे चमन
चयन दिवस पर महाश्रमणीवरम्
को भाव भरा सहस्त्र नमनः

श्रीमती संतोष बोथरा, रा.का.स.-अभातेममं

धरा गगन के मेल से बना ये अद्भभुत संसार,
इस संसार में मिला हमें कनक प्रभाजी का अद्भभुत स्नेह व प्यार,
महाश्रमणीवरम् ने महिला मंडल को दिया ऐसा अपनत्व,
जैसे हो कोई मोतियों भरा समंदर,
ममत्व मिला आपसे ऐसा जैसे कोई ठहरी झील या हो जैसे उम्मीदों भरा शहर,
मृदु वाणी, नित नये आयाम, आध्यात्म जगत हो या हो स्वरचित कविताओं से कोई पैगाम,
महासतीवरम् ने महिला मंडल को दिखलाई हिमालय जैसी डगर,
शुभ भावों एवं कृतज्ञता के शब्दों भरा गुलदस्ता करते चरणों में अर्पण,
गोल्डन चयन दिवस पर देते बधाई डायमंड चयन दिवस का मंगलमय हो सफर- मंगलमय हो सफर!

श्रीमती वंदना विनायकिया, रा.का.स.-अभातेममं

तेरापंथ मुक्तामणि महाश्रमणी
असाधारण साध्वी प्रमुखा श्री जी के
50 वें मनोनयन दिवस पर श्रद्धासिक्त अभिवंदना ।
मन सुन्दर है कुंदन जैसा
कनक प्रभा है नाम मनोहर!
यथा नाम गुण भी है वैसा
जो पूजित है सबके मन में!
एक बूँद में ग्रंथ समाया,
एक बूँद रत्नाकर रुप।
महश्रमणी संघमहानिदेशिका,
साक्षात स्वयं सरस्वती स्वरुप।
समता, ममता की मुरत है,
तुलसी युग की तरुणिमा।
तप अनुभव और आत्मज्योति से,
दीप्तमान तेरापंथ शासनधरा।
चयनदिवस 50वॉ करती हूं अभ्यर्थना,
शतशत वंदन भक्ति चंदन श्रद्धासिक्त अभिवंदना ।

श्रीमती सीमा बैद, रा.का.स.-अभातेममं

इन्द्रधनुषी आभा आपकी,
चिन्तन में हर पल नव निखार।
महिला जाति की शान है आप,
भरती है जीवन में उजियार।।
मातृ हृदया, ममतामयी आप,
लाड़-प्यार का अटूट भंडार।
गंगा जैसी पावन चरणों में,
वंदन मेरा शत् शत् बार। वंदन मेरा शत् शत् बार।।

श्रीमती सरिता बरलोटा, रा.का.स.-अभातेममं

सरस्वती की श्रेयस प्रतिकृति
संस्कारों की शुभ संस्कृति हो।
ज्ञानमयी आनन्दमयी तुम
कल्याणी चिन्मय अनुकृति हो।
शील सृजन की अक्षय निधि तुम
श्रद्धा की अन्तस् जागृति हो।
नमन करूं चरणों में शत् शत्
स्वीकृत मेरी भाव प्रगति हो।

श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, रा.का.स.-अभातेममं

हे महाश्रमणी वरा, हे मातृ हृदया, करबद्ध भावभरी वंदना

अध्यात्म के ओज से ओत प्रोत उज्जवल पारदर्शिता, दूरदर्शिता, समयबद्धता, निस्पृहता, स्थितप्रज्ञता, सृजनशीलता, दुर्लभतम श्रेष्ठताओं का परिमल संघ महानिदेशिका के रूप में कुशल अनुशासना प्रदात्री, साध्वी प्रमुखाश्रीजी के चयन दिवस की अर्द्ध सदी के पावन अवसर पर यही अभ्यर्थना हमारी, ममता की प्रतिमूर्ति, सरस्वती सरूपा आपकी वत्सलता की सरिता यूं ही प्रवाहमान रहे। सदियों तक आपके चरण जुहारै, चयन दिवस का शतक मनाएं, शासन में वर्धापन स्वर गुंजाएं। यही शुभेच्छाएं। अभिवन्दनाएं।

श्रीमती भारती सेठिया, रा.का.स.-अभातेममं

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी को उनके 50 वर्ष होने पर बधाई और शुभकामना

संघ विकास में साध्वीप्रमुखा श्री जी का बहुत बड़ा योगदान है, उन्होंने साहित्य संपदा के क्षेत्र में महनीय कार्य किए हैं। गुरुदृष्टि की आराधना करना ही सदा आपके जीवन का लक्ष्य रहा है। हमारा संघ सौभाग्यशाली है जिन्हें ऐसे साध्वीप्रमुखाश्री जी मिले हैं जिन्होंने अपने कर्तृत्व से इतिहास गढ़े हैं। खुब-खुब शुभाशंषा।।

श्रीमती सुशीला चौपड़ा, रा.का.स.-अभातेममं

वंदन ! अभिनंदन !! अभिवंदन !!!
असाधारण है जिनके जीवन के हर पल की परिभाषा।
असाधारण है जिनकी कर्मजा से, प्राप्त है नारी को आशा।।
असाधारण है जिनका गुरु दृष्टि के प्रति अटूट समर्पण।।
असाधारण है जिनका सकल साध्वी समाज को अनुठा अर्पण।।
असाधारण है जिनके ओजस्वी मुख मंडल से निकली वाणी।।
असाधारण है जिनका ममतामयी माँ स्वरूप जगत कल्याणी।।
असाधारण है जिनके स्नेहार्शीवाद की उर्ज्जा का हर कण।।
असाधारण है जिनका साहित्य सर्जना को समर्पित हर क्षण।।
असाधारण है जिनके आभामंडल से निकलती हर प्रभा।।
असाधारण है तेरापंथ धर्मसंघी की साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा।।

डॉ. वंदना बरड़िया रा.का.स.-अभातेममं

जिनके चरण सदा गति के गीत गाते हैं,
जिनकी हर सांस अध्यात्म के रहस्यों की विरल सृष्टि है।
लीक से हटकर चलते हुए सांस्कृतिक मूल्यों की जमीन पर
जो अपने कदम जमाये रखे
जो प्रेरित भी है और प्रेरक भी,
अर्हताएं स्वयं हर क्षण
जिनकी प्रतिभा की अनवरत परिक्रमा करती है,
जीवन का हर एक पड़ाव जहाँ मल्हारी उत्सव होता है।
आस्था की जागृत संचेतना, विश्वास का मूर्तिमंत्र बोध,
सहजता का उर्जस्वल सागर, स्याह रातों की उजली तिलक
सति शेखरे, असाधारण महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा श्री
कनकप्रभाजी के 50 वें चयन दिवस पर मन की
मंगलकामना अर्पण।
शत्-शत् वंदना, अभिनंदन

श्रीमती गुलाब बोथरा, रा.का.स.-अभातेममं

गाते हैं महिमा महाश्रमणी तेरी,
भीखण के गण में फूँकी जो रण भेरी....।
तेरी प्रखर प्रतिभा को,लावण्य प्रतिमा को,
तेरे पूर्ण समर्पण को, तेरी उज्ज्वल आभा को,
आतुरता जाने हम,आत्मसात करले हम.....!
साहित्य सृजन सारा,निर्मल सी जल धारा,
पाठक का बज उठता साँसो का इकतारा,
गण का स्तोत्र माने हम,आओ बाँचें, जाने हम.....!!
प्रमुखा बनी इस दिन,सौभाग्य का वह दिन,
जन-जन हर्षित सारा स्वर्ण सूर्य, उषा उस दिन,
तुलसी की विश्वासी तुम,साध्वियों की क़ासी तुम...!!!

श्रीमती मधु कटारिया, रा.का.स.-अभातेममं

तुलसी की निर्मित इस कृति में, संस्कृति का सौन्दर्य भरा है
श्रद्धा, सेवा और समर्पण, गुरु निष्ठा से पद निखरा है।
सहनशीलता पापभीरुता, अप्रमतता की पहचान
साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी बनी, संघ की अभिनव शान
साध्वी प्रमुखाश्रीजी के चयन दिवस पर वंदन, अभिनंदन

श्रीमती मधु श्यामसुखा, रा.का.स.-अभातेममं

अविरल गुरु भक्ति, अनुरक्ति, अधरों पर श्रद्धा अभिव्यक्ति
तप तेज तुम्हारा प्रवर प्रखर, सचमुच हो तुम अभिनव शक्ति
सौम्य तुम्हारा मुख मण्डल है, स्नेहिल नजरें बरसाई है
गुरु तुलसी की अमर कृति, आभा में नव अरूणाई है।
हे ममतामयी माँ! चयन दिवस पर अभिवंदना!

श्रीमती प्रभा घोड़ावत, रा.का.स.-अभातेममं

स्वर्णिम जीवन, स्वर्णिम व्यक्तित्व तुम्हारा, कला से कनक का सफर तुलसी ने सँवारा,
मनोनयन बेला शुभंकर देखा सबने भव्य नजारा, शरच्चन्द्र सम समुज्ज्वला शीतल स्नेह निर्झरा,
ऋतंभरा प्रज्ञा की सधी लेखनी, लहर का कर पकड़ मिले किनारा,
साधारण से असाधारण बनी महाश्रमणी, स्वीकारो श्रद्धायुत वंदन हमारा,
नारी समाज का गौरव तुम, करते आज अभिनंदन तुम्हारा ।।

श्रीमती जयश्री जोगड़, रा.का.स.-अभातेममं

प्रमुखा पद की गरिमा महिमा, फैलाई तुमने साकार
आज बनी नयनों का तारा, झेलों अभिनन्दन उपहार
50वर्ष की दीर्घ तपस्या, सबके मन को मोह लिया
सहज सरल अनुशासन शैली, सबने अमृतपान किया
तुलसी प्रभु ने तुम्हें तराशा, महाप्रज्ञ की तुम हो भाषा
महाश्रमण की शुभ्र चांदनी, रत्नत्रय की तुम परिभाषा
नई चेतना भर दो हममें महिलाओं के हृदयोगार।।

श्रीमती सुधा नौलखा, रा.का.स.-अभातेममं

नारी जग की शान हो तुम, तेरापंथ का अभिमान हो तुम,
महिला शक्ति की पहचान हो तुम,
सरस्वती का साक्षात वरदान हो तुम।
श्रद्धा के फूल खिला, आज तुम्हें बधाए हम,
स्वर लहरी को झंकृत कर भावों के तार बजाए हम
पा मंगल आशीष तेरा शिखरों पर आरोहण कर जाएं हम।

श्रीमती विद्या कुण्डलिया, रा.का.स.-अभातेममं

स्वर्ण चयनोत्सव नमन
शब्दों की गंगा में डुबकी लगाकर भी शब्द न खोज पाती हूँ।।
हे महाश्रमणीवर चयन दिवस पर भावों के सुमन चढ़ाती हूँ।।
माँ ने दिए सत्संस्कार पर सच्चा मार्गदर्शन आपसे ही पाती हूँ।।
मातृहृदया स्वस्थ, निरोग, निरामय रहें मंगल भावना भाती हूँ।।

श्रीमती प्रभा दुगड़, रा.का.स.-अभातेममं

पचास वर्षों तक तुमने गण को संभाला,
तुमने तो इक अद्भुत इतिहास है रच डाला,
चार-चार आचार्यों का तुमने वरदहस्त है पाया,
गण उपवन की बगिया को तुमने महकाया,
तुम रहो सलामत युगों युगों ये हर मन की आशा,
तुमसे बड़ी है मातृहृदया की क्या कोई परिभाषा।

श्रीमती भारती पारख, रा.का.स.-अभातेममं

परम श्रद्धेया महाश्रमणीजी, असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी को कौन नहीं जानता? आपके दार्शनिक चेहरे पर मधुर मुस्कान अठखेलियां करती हुई दिखाई देती है। आपकी वाणी में मक्खन जैसी मृदुता है, शहद की तरह मधुरता है और सागर की तहर गम्भीरता है। आपका सम्पूर्ण जीवन कलात्मक धागों से निर्मित है इसलिए ही आप सहज, सरल, सरस है। आपका आत्मतेज इतना अधिक दीप्तिमान है कि आपके सम्पर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति आधि, व्याधि, उपाधि को भूलकर समाधि की सहज अनुभूति करने लगता है। जब-जब मैं आपकी उपासना में आती हूँ तो मुझे ऐसा महसूस होता। कि मैं दिव्य लोक की यात्रा कर रही हूँ। उस समय आपका जो असीम वात्सल्य पाकर मैं गद्‌गद् हो जाती हूँ। उस आनन्द का वर्णन मैं शब्दों में अभिव्यक्त नहीं कर सकती। आपके प्रमुखा पद को स्वर्णिम जयंती के अवसर पर मंगल कामना करती हूँ कि आप दीर्घायु हो। आपकी छत्र छाया मैं अपने जीवन में संयम के पुष्प विकसित करती रहूं।

श्रीमती उषा जैन, रा.का.स.-अभातेममं

तीन महान आचार्यों की छत्रछाया में रह कर विगत पांच दशकों से साध्वी-समाज के व्वस्थापन का गुरुत्तर दायित्व निभाते हुए आप अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के माध्यम से समाज का पथ-प्रदर्शन कर रही है। श्रद्धा, निष्ठा व अक्षय-शक्ति से भिक्षु-शासन की परम्पराओं को अविच्छिन्न बनाए रखने में कण-कण का नियोजन, शासन-गौरव को बढ़ाने में अविरल गतिशील, चिन्तनशील, मार्ग-दर्शिका महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री के चरण कमलों में कोटिशः वन्दन। मेरा अहोभाग्य आपके गुणगान का अवसर मिला। पुनः चरण वंदन।

श्रीमती माला कातरेला, रा.का.स.-अभातेममं

ओ अध्यात्म की पौरुष गाथा, तुमको जितनी बार पढ़ा, हर बार नया अर्थ ही गढ़ा।
तुमने जीना सिखाया, बढ़ना सिखाया, हर पल जीने की दी परिभाषा।
चिरायु हो सहस्त्रायु हो, हे हमारे दिल की आशा।
अमृत महोत्सव चयन दिवस का आया, अमृत लुटाओ हमारी अप्रमत्त चेतना जगाओ।
गुरुदेव तुलसी की नजीर तुमने, साहित्य सृजन का समीर बहाया।
लाखों-करोड़ों दुनिया की ज्ञान पिपासा का जगाया।
ज्ञान की तस्वीर - शत् शत् नमन!

श्रीमती नीतू पटावरी, रा.का.स.-अभातेममं

मातृ हृदया वात्सल्य मूर्ति असाधारण साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के पावन श्री चरणों में मेरा शत्-शत् नमन। आपके असीम गुणों, व्याख्यान ऐसी मुझमें क्षमता नहीं है। आप धर्मसंघ की सुदृढ़ नींव हो। आपका व्यक्तित्व लाखों व्यक्तियों को प्रभावित करने वाला है। तेरापंथ धर्मसंघ में साध्वी प्रमुखा पद को सबसे अधिक समय तक सुशोभित करने वाली आप प्रथम साध्वी प्रमुखा है। आपका कर्तृत्व अतुलनीय है। आपके शुभ जन्मदिन इस शुभ घड़ी में यही मंगलकामना करती हूँ आप स्वस्थ और दीर्घायु रहे।

श्रीमती पुष्पा बोकड़िया, रा.का.स.-अभातेममं

मातृहृदया संघ महानिदेशिका
असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री कनक प्रभाजी
अनुशासन है जिनका आचार, चिन्तन का गागर
विकास है व्यवहार, विवेक का महासागर
सहिष्णुता जिनका श्रृंगार, ममता का भंडार
प्रभावी है साहित्य सृजन, विकासोन्मुख है दिशादर्शन
महिला समाज की शान, विरली है जिनकी पहचान
हे महाश्रमणी आपके चयन दिवस पर श्रद्धा भरा सम्मान

श्रीमती विमला दुगड़, रा.का.स.-अभातेममं

भिक्षु नंदनवन में सदैव बसती श्रद्धा और समर्थन की बहार
'कला से कनकप्रभा' की मात्रा खुले संभावनाओं के नव द्वार
कनकप्रभा केसर की क्यारी गुरु तुलसी के उद्गार
उत्कृष्ट कृति संघ को दे कहलाए वे सृजनहार
वात्सल्यमयी प्रेरणा, विकासशील चिंतन, जीवन का आधार
'अमृतमय' स्वर्णिम पचासवें चयन दिवस पर
श्रद्धावनत् वंदन बारम्बार।।

श्रीमती जयश्री बड़ाला, रा.का.स.-अभातेममं

तेरापंथ की स्वर्णिम आभा महाश्रमणी महासती कनकप्रभा!
ओजस्वी,यशस्वी ज्ञान सूर्य तुम शतशत प्रणाम स्वीकारो मेरा
कर्तृत्व से जिनके,वक्तृत्व से जिनके, तेरापंथ का उन्नत भाल!
अष्टम आभा, दिव्य विभा, कनकप्रभा हैं बेमिसाल!
लेखन जिनका प्रेरक मोहक, उत्साह जनक शक्ति संवर्धक
ज्वलंत चुनौती का संप्रेषक, समाधान पूर्ण,प्रगति का द्योतक
तुलसी युग की तरुणिमा हो,
हो महाप्रज्ञ-महाश्रमण दशकों की अरुणिमा
स्वर्णिम अक्षर में हो अंकन, स्वर्णिम चयन की दिव्य हो शोभा

श्रीमती शिल्पा बैद, रा.का.स.-अभातेममं

अपनी कल्पनाओ को संकल्प मे बदलना ही एक मात्र उपाय अपने लक्ष्य तक पहुंचना। समय प्रबंधन, आचार विचार मे पवित्रता ,कर्तव्य परायण यह सारे गुण अगर हमें किसी एक में देखना है तो हमारे सामने सिर्फ एक ही छवि आती है और वह है हमारे अपने प्रिय और आसाधारण साध्वी प्रमुखा श्री जी। हम सौभाग्यशाली हैं कि हम सभी प्रमुख श्री जी के इतने निकट हैं।

There is no age barrier to learning n implementing.. यह वाक्य हमारे प्रमुख है के लिए 100% सही है। चयन दिवस पर बहुत-बहुत बधाई। हम भी आपके गुणों को अपने जीवन में उतारे और संयम के मार्ग पर आगे बढ़े। ओम अरहम

श्रीमती अनिता चोपड़ा, रा.का.स.-अभातेममं

बंगा की धरती का कण-कण हुआ पावन, उपजा जब वैराग्य।
सूरज की सतरंगी किरणें जैसा, फैला संयम का प्रकाश।
प्रणाम है इस महाशक्ति को, जिन्होंने चुना छोटी-सी उम्र में मोक्ष का पथ।
पदाभिषेक हुआ लाडनू में, स्वर्ण अक्षरों में लिखा नारी जाति का नाम।
साध्वी प्रमुखा जी के हाथों में, कलम ने दिया अध्ययन की नई राह।
करते है हम प्रणाम इस मातृ हृदय सहनशील, श्रमशील,
असाधारण साध्वी श्रीजी इनसे मिले हमें सदा प्रेरणा।

श्रीमती ज्योति जैन, रा.का.स.-अभातेममं

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी के चरणो में कोटिशः नमन

ममतामयी श्रद्धेया असाधारण मातृहृदया साध्वी प्रमुखा श्री जी के चरणों में कोटिशः नमन

आपके स्वर्णिम दीक्षादिवस के उपलक्ष में हार्दिक बधाई अभिनन्दन।

कहते हैं मां की ममता जब आकार लेती है तो मां की सृष्टि बन जाती है बहनों ठीक यही अनुभव मैंने ममतामय मां के चरणों में किया उनके पवित्र पावन आभा वलय एवं मंगल आशीर्वचन से मेरा स्वास्थय बिल्कुल ठीक हो गया

आप द्वारा प्रदत मंगल पाठ से मेरे भीतर सदैव एक अद्भुत शक्ति का संचार होता रहा और परम शांति का अनुभव किया ऐसे श्रद्धेय महाश्रमणीवरा के चरणों में अनंत अनंत कृतज्ञता भरा वंदन एवं मंगल कामना करती हूं आप हमेशा स्वस्थ रहें, आप निरंतर प्रगति की ओर प्रस्थान करें, यही मंगल कामना।

श्रीमती सरला श्रीमाल, रा.का.स.-अभातेममं

ममतामयी माँ को शत्-शत् वन्दन नमन्
50वां चयन दिवस है आज आपका,
धन्य है यह धरती, धन्य है हम सब
आर्शिवर और सान्निध्य मिला आपका,
पौत्रवधु हूँ नेमीचन्द जी गणेशीबाई की
सौभाग्य मिला जिनको प्रथम-चार्तुमास का आपका,
माँ आपके गुणों का क्या करें बखान
नजरें फैलाई दूर-दूर तक, नहीं आप जैसी कोई माँ महान,
जुग-जुग जीओ माँ यही हम सबका का प्रणाम
संघ प्रतिष्ठा बढ़ती जाए, रहे हरपल आपका योगदान
हम सब मिल करें यही आध्यात्मिक मंगल कामना
आप दीर्घायु रहे, स्वस्थ रहे, बस यही हम सबकी
शुभभावना।

डॉ. नीना कावड़िया, रा.का.स.-अभातेममं

अष्ट मंगल सतीप्रभा
सोलह कलाओं से सजी कलावती हो तुम,
त्रिदेवो का संग पाकर निखरा अक्श बनी हो तुम,
ऋणी रहेगा तेरापंथ ओर ये नारी जगत पाकर तुमको,
किसी ने फुर्सत में गढ़कर जमी पर भेजा है तुमको,
हे लाख वंदन, अभिनंदन गगन के इस धुमकेतु को,
चिरंजीवी, यशस्वी बने, तुम्हारा जीया हर पल।।

डॉ हेमलता नाहटा, रा.का.स.-अभातेममं

तुलसी से दीक्षित है साध्वी प्रमुखा
तुलसी की कीर्ति है साध्वी प्रमुखा
साध्वी गण का श्रृंगार है साध्वी प्रमुखा
साध्वी प्रमुखा के चयन दिवस की
अर्द्ध शताब्दी की करते हैं मंगल कामना
साध्वी प्रमुखा की मक्खन सी कोमल काया
करुण सा कोमल मन
संघ की संभाल में है सागर की गहराई
आपके क्या गुणगान करें
शब्द नहीं है मेरे पास
आपकी उम्र हो हजारों साल
साल के दिन हो पचास हजार
आपके चयन दिवस पर करती हूं अनंत अनंत शुभकामनाएं

श्रीमती शशि कला नाहर, रा.का.स.-अभातेममं

तू है ममता की इक मूरत,
तू सहज समतामयी सूरत।
पा तेरा वात्सल्य निराला,
छलका मानो अमृत प्याला।
गोयल परिकर में जब आई,
गुरुधारणा ली सुखदाई।।
तुलसी जैसे गुरुवर पाए,
महाप्रज्ञ, महाश्रमण मनभाए।
महाश्रमणीजी का शुभ साया,
पाकर अपना भाग्य सराहें।।

श्रीमती लता गोयल, रा.का.स.-अभातेममं

8 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास-रजत नग पगतल में,
पियूष स्तोत्र सी बहा करो, जीवन के सुंदर समतल में।

समाज के विकास में महिलाओं की सच्ची महत्ता ओर अधिकार के बारे में जनजागरूकता लाने हेतु व महिला सशक्तिकरण के लिये हर साल महिला दिवस जैसे कार्यक्रम अंतराष्ट्रीय स्तर पर मनाये जाते है। वूमेन्स डे इसलिये और भी खास हो जाता है क्योंकि इस दिन समाज के विकास में महत्वपूर्ण व प्रंशसनीय भूमिका निभाने वाली महिलाओं को उनके कार्यो के लिये सम्मानित किया जाता है। पिछला वर्ष कोविड जैसी महामारी का सामना हमें करना पड़ा। सृष्टि के साथ खिलवाड़ का किस तरह भुगतान करना पड़ा। फिर भी इस समय मे सबसे बड़ा योगदान व सराहनीय कार्य डॉक्टर्स ने किये। तो आओ हम इस वर्ष 8 मार्च अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर वुमेनहुड को सम्मानित करने के लिए जो हमारी कोविड वॉरियर्स थी उनका सम्मान करें प्रेरणा सम्मान द्वारा।

जिनके श्रम पर है गर्व हमें, बढ़ाया नारी का मान,
कोविड जैसी महामारी में सेवा का दिया अमूल्य योगदान।
अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम, प्रेरणा पुरस्कार द्वारा करें उनका सम्मान।

आपके क्षेत्र में महिला डॉक्टर या उससे ऊपर की डिग्री प्राप्त महिला covid warrior का सम्मान अवश्य करें ।बड़े मंडल अपने क्षेत्र के हिसाब से 10 डॉक्टर्स तक का सम्मान कर सकती है। सम्मान का फॉरमेट संलग्न है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल (रोहिणी) लाडनूं-राजस्थान

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2021

प्रेरणा सम्मान

सम्माननीय

.....

आचार्यश्री महाश्रमणजी के निर्देशन में भारतीय संस्कृति सुरक्षा, आध्यात्मिक विकास,नारी जागृति तथा जन सेवा के लिये समर्पित एक सामुहिक प्रयास का नाम है अखिल भारतीय तेरापंथ महिलामण्डल रोहिणी लाडनूं। अध्यात्म इसका प्राणतत्व है, समाज कल्याण की उदात्त भावना इसके चिंतन का आधार है। इससे सम्बंधित तेरापंथ महिला मण्डल.....नारी सशक्तिकरण एवं नारी के नैसंगिक गुणों की रक्षा हेतु कृत संकल्प है। क्योंकि नारी के सुघड़ हाथों में ही किसी देश का भविष्य आकार लेता है। आज अंतराष्ट्रीय महिलादिवस के अवसर पर श्रीमती..... को इस कोविड काल मे अमूल्य सेवा देने हेतु सम्मानित कर यह संस्था गौरव का अनुभव कर रही है।

आपके स्वावलंबी जीवन को सलाम करते हुए यही मंगलकामना करते है कि आप इसी आत्मविश्वास व स्वाभिमान के साथ निस्वार्थ सेवाकार्य करते हुए विकास के पथ पर बढ़ते हुए नारी की गरिमा को गौरवशाली व मजबूत बनाएंगे।

पुष्पा बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अध्यक्ष
.....

निर्देशन – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.....

दिनांक 8 मार्च 2021

तरूणा बोहरा
महामंत्री
मंत्री
.....

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र

माघ का महीना बसंती बहार छाई। प्रकृति श्रृंगार से, सतरंगी चुनरी लहराई।।

माघ का यह खुशनुमा महिना तेरापंथ धर्मसंघ में बहुत महत्व रखता है। इस माह बड़े उत्साह व उमंग से हम मर्यादा का महोत्सव मनाते हैं। मर्यादा एक ऐसा कवच है जो हमारे परिवार, समाज व संघ को सुरक्षित रखता है। अनुशासन में रहना जीवन का बंधन नहीं बल्कि व्यवस्थित रूप से जीने की कला है। यदि हम मर्यादित, अनुशासित, संयम व विवेक से परिपूर्ण जीवन जीते हैं तो हम दूसरों के लिए एक मिसाल बन सकते हैं।

मर्यादामय जीवन से बढ़ाएं संस्था व संघ की शान, करें स्वयं का निर्माण

करणीय कार्य :–

तेरापंथ धर्मसंघ की साहित्य सम्पदा अनमोल है। हमारे पूर्वाचार्यों ने चारित्रात्माओं ने गद्य–पद्य की अनेक रचनाओं की लेखनी की है। इस कड़ी में हम शुरुआत कर रहे हैं कुछ ऐसे संघीय गीतों का जो हमें परिचित करवाते हैं तेरापंथ धर्मसंघ की स्वर्णिम परम्परा से। इस माह आप सभी को कंठस्थ प्रतियोगिता का आयोजन करना है–

1. भीखण जी स्वामी भारी मर्यादा बांधी संघ में – इसका लिंक ग्रुप में प्रेषित किया जायेगा।
2. पाँच गीत की प्रतियोगिता हो जाने के बाद हम राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतियोगिता रखेंगे। तो सभी बेटियां इसे कंठस्थ करें।
3. परम की ओर प्रस्थान : करें छोटे–छोटे प्रत्याख्यान :–

दस प्रत्याख्यान का हमारे जैन धर्म में बहुत महत्व बताया गया है। उसी को ध्यान में रखते हुए हम प्रतिमाह एक या दो प्रत्याख्यान करने का लक्ष्य रखेंगे। इसी श्रृंखला में इस माह नवकारसी व पोरसी एक–एक दिन करने का संकल्प लें।

EVOLVE

ETM

Evolve The Masterpiece

वृहद महाराष्ट्र स्तरीय कन्या मंडल की अनुपम प्रस्तुति। EVOLVE की सभी मासिक कार्यशालाओं में देशभर व नेपाल की सभी कन्या मंडलों की Virtual उपस्थिति अनिवार्य।

यदि कोई कन्या मंडल EVOLVE कार्यशाला आयोजित करना चाहते हैं तो हमें Approach कर सकते हैं।

धन्यवाद

आपकी दीदी
रमन पटावरी

National Virtual Kanya Mandal Walkathon

प्रगति के पथ पर, विकास के रथ पर, चल रहा है देश मेरा।
स्वस्थ भारत का एक नया सपना, देख रहा है देश मेरा।।

नव वर्ष की शुरुआत के साथ हमने संकल्प लिया है Fit रहने का। Fitness एक शब्द नहीं है बल्कि स्वस्थ व समृद्ध जीवन की एक आवश्यक शर्त है। Fitness व सफलता एक दूसरे के पूरक है। यदि Body Fit तो Mind Hit.

आज की व्यवस्त जीवन शैली में हम अपने कार्यों में इतने मशगूल है कि अपने स्वास्थ्य पर ध्यान ही नहीं देते। Diabities, Hyper Tension जैसे Life Style Disorder बढ़ रहे हैं और पिछले कई महिनों से हमने कोरोना महामारी के कहर को भी देखा है। ऐसे में आवश्यकता है अपने Immune System को Strong करने की। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस माह का कन्या मंडल का करणीय कार्य था – ध्यान, योग व Walk के विशेष प्रयोग। और यह प्रयोग हर परिवार का Agenda बने ऐसा हमारी कन्याओं ने भरसक प्रयास किया।

इसके अन्तर्गत National Level पर कन्या मंडल का Virtual Walkathon Pacer App पर आयोजित किया गया।

Walkathon - Celebration of Life

इस Tournament में लगभग 500 कन्याओं की संभागिता रही। 15 दिन तक चलने वाले इस Walkthon में 30000 कदम अर्थात प्रतिदिन 24 किमी. तक चलने का लक्ष्य तय किया गया। सभी संभागी कन्याओं का जोश व उत्साह सराहनीय रहा। इस Tournament की संयोजिका, राष्ट्रीय कन्या मंडल संयोजिका सुश्री याशिका खटेड़ ने काफी श्रम किया। इसके परिणाम निम्नलिखित है। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाल 5 कन्याएँ हैं जिन्होंने 15 दिनों में 4,80,000 कदम चलकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

1. प्रथम स्थान :- अनिषा बैद, बीदासर, भूमि बरमेचा-पूर्वांचल, सानिया जैन-वापी, मनिषा लूणिया-अहमदाबाद, प्राची जैन - फरिदाबाद।
2. द्वितिय स्थान :-मेघा पोरवाल - दुर्ग, भिलाई।
3. तृतीय स्थान :- चयनिका दुगड़ - अररिया कोर्ट।

सभी संभागयिों को बहुत-बहुत बधाई। प्रमाण पत्र व मोमेन्टो आप सभी को अधिवेशन के समय प्रदान किया जाएगा।

स्वास्थ के लिए Walk जरूरी, यह संकल्प निभाना है।
छोटे-छोटे कदमों से बड़ा बदलाव लाना है
एक-एक कर इस मुहिम में सबका साथ पाना है।
खुद को स्वस्थ व India को Fit बनाना है।

अभातेमसं के निर्देशन में अखिल भारतीय कन्या मंडल द्वारा Evolve कार्यशाला का आगाज

चेन्नई कन्या मंडल द्वारा 30 जनवरी को किया गया। इसका विषय Breaking the myths रखा गया। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता Dr.Nidhi Bajaj और Yashika Khater रहे।

पूज्य गुरुदेव के मंगल पाठ द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत हुई। राष्ट्रीय अधयक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कन्याओं को कैरियर और घर के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय महामन्त्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा ने एक बहुत ही प्रेरणादायक दृष्टांत के माध्यम से बताया कि हमें कभी भी किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होना चाहिए। हम कोई भी कार्य करें उससे पूर्व scientifically सोचें, observe करें तो हम कई myths को तोड़ सकते हैं व अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

कन्या मंडल प्रभारी- श्रीमती रमनजी पटावरी ने सभी का स्वागत किया व कन्याओं को चहुंमुखी विकास करने की प्रेरणा दी। सह प्रभारी श्रीमती नमिताजी सिंघी ने हमें जीवन में सकारात्मक सोच रखते हुए जीवन में आरोहण करने के टिप्स बताएं।

चेन्नई कन्या मंडल प्रभारी - अनिताजी चोपड़ा ने डॉ निधि बजाज का परिचय दिया जिन्होंने हमें ---- स्वस्थ रहने, वजन घटाने, व्यायाम, intermediate fasting पर हमारे भ्रम दूर किये।

राष्ट्रीय कन्या मण्डल संयोजिका सुश्री याशिका खदेड़ ने वैज्ञानिक रूप से समझाया ---- मासिक धर्म क्यों और कैसे होता है, उस दौरान और उसके बाद ली जाने वाली सावधानियां। उसने यह भी बताया कि हम किस तरह से Menstruation cup का उपयोग करके पर्यावरण को बचा सकते हैं। स्वागत भाषण हार्दिका मुथा तथा धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सुभद्रा जी लुणावत ने किया। कार्यक्रम का संचालन भवी बाफना द्वारा किया गया।

पूरे भारत वर्ष की कन्या मंडल की कन्याओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और यह कार्यक्रम सभी की उपस्थिति से बहुत सफल रहा।

Hardika Mutha - संयोजिका Bhavi Bafna - सह संयोजिका
Anitha ji Chopra - प्रभारी Subhadra ji Lunawat - सह प्रभारी

संवर्धन कार्यशाला

काठमांडू–नेपाल

दिनांक 2 जनवरी 2021, काठमांडू (नेपाल) – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में काठमांडू महिला मंडल द्वारा संवर्धन कार्यशाला का आयोजन जूम एप्प के द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में नेपाल, बंगाल, बिहार के लगभग 16 क्षेत्रों के 300 से अधिक सदस्यों की सहभागिता रही। इस कार्यशाला का शुभारंभ आचार्य प्रवर के मंगल पाठ श्रवण से हुआ। अभातेममं चीफ ट्रस्टी शांता पुगलिया द्वारा नवकार मंत्र के मंत्रोच्चार के साथ कार्यशाला सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं दी गई। अभातेममं उपाध्यक्ष सरिता डागा ने अनेकांत विषय की व्यवहारिकता को बताते हुए कार्यशाला की शुभ सफलता की मंगलकामना की। अभातेममं ट्रस्टी सूरज बरड़िया ने साध्वी प्रमुखा श्री जी के मंगल संदेश का वाचन करते हुए इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला को सशक्त कदम बताया। नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों विराटनगर, वीरगंज, धूलाबारी, धरान, राजविराज, नेपालगंज और काठमांडू की शाखा मंडलों ने अभातेममं पदाधिकारियों का वर्चुअल स्वागत अभिनन्दन किया। काठमांडू महिला मंडल अध्यक्ष प्रेमा नाहटा ने काठमांडू की धरा पर सभी का स्वागत करते हुए काठमांडू महिला मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अभातेममं कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रभारी डॉ. वंदना बरड़िया ने क्षेत्रीय स्तर पर स्वागत करते हुए नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति माननीय रामबरन यादव के शुभकामना संदेश का वाचन किया। इस कार्यशाला की सफलता हेतु नेपाल उप प्रधानमंत्री ईश्वर पोखरेल, महिला बाल बालिका मंत्री जूली कुमारी महतो, नेपाली कांग्रेस अधिवेशन प्रतिनिधि सुशील नाहटा एवं तेरापंथ सभा अध्यक्ष सुशील जैन की शुभकामना संदेश प्राप्त हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि CNN Hero एवं आचार्य तुलसी कृर्तत्व पुरस्कार से सम्मानित अनुराधा कोइराला ने महिलाओं को सशक्त और समर्थ बनकर स्वयं की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की आयोजना हेतु हार्दिक बधाई देते हुए अनेकांत की सिद्धांत की उपादेयता को विस्तार से समझाया। अभातेममं महामंत्री तरूणा बोहरा ने छोटे–छोटे उदाहरणों से अनेकांत को समझाया तथा शुभकामनाएं प्रेषित की। अभातेममं की पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माधुरी सेठिया ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्राविका गौरव डॉ. मंजू नाहटा ने बहुत ही सरलता से अनेकांत के सिद्धांतों और अनेकांत के व्यवहार के बारे में समझाया। नेपाल, बंगाल, बिहार के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा संवर्धन गीत की वर्चुअल प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का कुशल एंव समयबद्ध संचालन मंत्री संगीता लुनिया ने तथा आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष अमिता नाहटा ने किया।

उत्तर कर्नाटक स्तरीय संवर्धन कार्यशाल

दिनांक 6 जनवरी 2021, हुबली आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या, साध्वीश्री प्रज्ञा श्रीजी के सानिध्य में, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार, तेरापंथ महिला मंडल हुबली, द्वारा संवर्धन कार्यशाला के अंतर्गत ''धैर्य'' विषय पर उत्तर कर्नाटक स्तरीय

कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य प्रवर के मंगल पाठ से हुई। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की चीफ ट्रस्टी, श्रीमती शांता जी पुगलिया के द्वारा नवकार मंत्र के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई तथा कार्यशाला सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं दी गई । तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रेम बाई वेदमूथा ने सबका स्वागत किया। महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण किया गया। साध्वी प्रमुखा श्री कनक प्रभा जी का संदेश वाचन, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की परामर्शक श्रीमती लता जी जैन द्वारा किया गया। साध्वी श्री प्रज्ञा श्रीजी के द्वारा धैर्य विषय पर छोटे-छोटे उदाहरणों द्वारा धैर्य विषय पर प्रकाश डाला गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी बैद के द्वारा, इस कार्यशाला की योजना हेतु तेरापंथ महिला मंडल हुबली को बधाई दी गई और धैर्य विषय की उपादेयता बतायी गई।

अखिल भारतीय कर्नाटक स्तरीय प्रभारी श्रीमती सुधा जी नौलखा द्वारा क्षेत्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। महिला मंडल द्वारा संवर्धन गीत प्रस्तुत किया गया। अखिल भारतीय महामंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा द्वारा धैर्य विषय पर छोटे छोटे उदाहरणों द्वारा जीवन में इसकी उपादेयता को समझाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीमान महेंद्र सिंह जी सिंघवी द्वारा धैर्य विषय पर प्रमुख वक्तव्य दिया गया। मुख्य अतिथि का परिचय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती दिव्या बोहरा द्वारा दिया गया। धैर्य विषय पर हुबली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यशाला का कुशल संचालन महिला मंडल मंत्री श्रीमती संतोष वैदमुथा द्वारा किया गया। उपाध्यक्ष श्रीमती भाग्यवंती बागरेचा के द्वारा आभार प्रकट किया गया। उत्तर कर्नाटक की इस कार्यशाला में लगभग 11 क्षेत्रों ने भाग लिया।

पूर्वांचल कोलकाता – बंगाल

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार कोलकाता पूर्वांचल महिला मंडल के तत्वावधान में बंगाल स्तरीय ''संस्कार-संवर्धन' वृहद कार्यशाला का दिनांक 9 जनवरी 2021 शनिवार को जूम में सुबह 11 बजे भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री महाश्रमणजी के मुखारबिंद से मंगलपाठ द्वारा किया गया। नमस्कार महामंत्र का उच्चारण ABTMM की संरक्षिका नारी रत्न श्रीमती तारा जी सुराणा ने अपने सुमधुर स्वर से किया। संघ महानिदेशिका असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी के संदेश का वाचन ABTMM कन्या मंडल प्रभारी व पूर्वांचल की निर्वतमान अध्यक्ष श्रीमती रमण पटावरी ने किया। इस कार्यशाला में JITO लेडिज विंग की चेयरपर्सन श्रीमती सरिता जी जैन की गौरवमयी उपस्थिति रही। पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल की कर्मठ व मधुरभाषी अध्यक्ष श्रीमती अंजू दुगड़ ने सबका स्वागत करते हुए कहा कि ABTMM ने हमको पूरे विश्वास के साथ संवर्धन जैसा बड़ा कार्य दिया। हमने नव वर्ष को 2 संकल्पों से संकल्पित होने का आह्वान किया है। संवर्धन गीत को पूर्वांचल महिला मंडल, पूर्वांचल कन्या मंडल की

बहनों व ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों ने बहुत ही सुन्दर रूप में प्रस्तुत किया। ABTMM की सरलमना अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने ओजस्वी स्वर में कहा कि बच्चों में संस्कार का संवर्धन करने के लिए उन्हें ज्ञानशाला, कन्याओं को कन्या मंडल भेजें। भारतीय संस्कार अपनायें। B (Birth) से D (Death) की यात्रा के बीच में C (Choose) आता है, हमें Choose करना है कि हमें कैसे संस्कार अपनाने है। क्षेत्रीय महिला मंडल के अन्तर्गत पांच महिला मंडल, बेहाला, उत्तर हावड़ा, साउथ कोलकाता, टॉलीगंज व साउथ हावड़ा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर दो-दो मिनट की मनभावन प्रस्तुति दी। महासभा के अध्यक्ष श्रीमान् सुरेश जी गोयल ने सबको प्रोत्साहित किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महामंत्री सीए श्रीमती तरूणा बोहरा ने अपने प्रेरणादायक प्रेरक वक्तव्य में कहा कि 100 अरब जीव के जन्म में 1 जीव ही जैन धर्म में जन्म लेता है। जैन जन्म से नहीं कर्म से बनता है। जैन संस्कार अपने जीवन में उतारें। हमारी राज्य प्रभारी श्रीमती संतोष जी चोरड़िया ने क्षेत्रीय रिपोर्ट देकर बंगाल स्तरीय 'संस्कार-संवर्धन' की सुन्दर छवि प्रस्तुत की। इस कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्रीमती सुषमा जी जैन ने संस्कार विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कार के चार प्रकार है - 1. Past Life 2. Decision maker 3. Environment 4. Will Power. प्यार रूपी पानी से संस्कारों का सिंचन करें। Positive सोच रखें श्रीमान मानस रंजन राय ने बच्चों को संस्कार देने का कार्य करने के लिए धन्यवाद दिया तथा हर कार्य में साथ देने का आश्वासन दिया। पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल ने संस्कारों पर अति सुंदर नाटिका की प्रस्तुति देकर भावी पीढ़ी को सुसंस्कारी बनाने का संदेश दिया है। पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती बबीता तातेड़ ने बड़े ही जोशीले अंदाज में सबका धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल की श्रमशील व समर्पित मंत्री श्वेता डाकलिया ने किया। अभातेमम की प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती निधि सेखानी ने तकनीकी संचालन का दायित्व बखूबी निभाया। इस कार्यशाला में जूम पर पदाधिकारियों सहित 500 सदस्यों व Facebook LIVE पर 4300 लोगों की उपस्थिति रही।

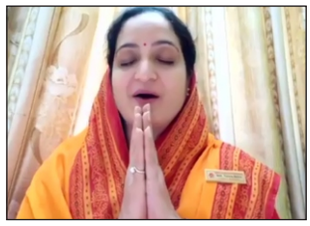

चैन्नई-तमिलनाडु

चैन्नई 16 जनवरी 2021 अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में चैन्नई तेरापंथ महिला मंडल द्वारा वर्चुअल जूम एप पर संवर्धन कार्यशाला ''मर्यादा'' विषय पर आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारम्भ आचार्य महाश्रमणजी के मंगल पाठ द्वारा हुआ। नमस्कार महामंत्र उच्चारण के साथ अभातेमम की प्रधान ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया ने कहा कि मर्यादाओं के अतिक्रमण से व्यक्ति विनाश को प्राप्त कर सकता है। महिलाओं को संकल्पों, नियमों के साथ अपना जीवन जीना चाहिए। ताकि हम स्वयं अपनी परिवार का, स्वयं का विकास कर सके। संघ महार्निदेशिका साध्वी प्रमुखा कनक प्रभाजी के संदेश का वाचन मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा हिरण ने किया। उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनिश्री कमल कुमारजी ने संवर्धन कार्यशाला में मर्यादा विषय पर अपने विचार रखते हुए फरमाया - कि मर्यादा एक शोभा ही नहीं अपितु जीवन विकास की सीढ़ी है। मर्यादा के अन्तर्गत रहकर महिलाएं स्वयं अपना संवर्धन करती हुई किशोरों और युवतियों को संस्कारित करने में अपनी अहम् भूमिका निभाती है।

कार्यशाला के लिए प्राप्त वीडियों संदेश में समणी निर्देशिका विनीत प्रज्ञाजी ने कहा - हर व्यक्ति विकास चाहता है, संवर्धन चाहता है। इसके लिए जरूरी है, मर्यादाओं की सीमा में रहना। जो मर्यादा, नियमों में रहता हुआ कार्य करता है वह अपना सदैव संवर्धन करता हुआ विकास के शिखरों को प्राप्त करता है। मुख्य वक्ता श्रीमान् मर्यादाजी कोठारी ने कहा कि हम उस धर्मसंघ के सेनानी है, जहां संख्या से बहुत कम होते हुए भी आचार्य भिक्षु ने मर्यादा से कुछ अधिक कपड़ा लेने पर पाँच साध्वियों को धर्मसंघ से सम्बन्ध-विच्छेद कर दिया। जो व्यक्ति आवश्यकताओं के आधार पर अपना जीवन यापन करता है, वही सुखी रह सकता है। अभातेमम संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी ने कहा कि वर्धन के साथ सम जुड़ता है तो इसका मतलब एक निश्चित दिशा में सलक्ष्य बढ़ना। वर्धन प्रकृति है और संवर्धन संस्कृति है। अभातेमम की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कहा कि वर्तमान युग में व्यक्ति मर्यादाओं से दूर रहकर, उद्देश्य विहीन उड़ान के कारण पाश्चात्य संस्कृति में रस बस कर भारतीय संस्कृति से दूर होता जा रहा है। श्रीमती बैद ने कहा कि जैसे सूर्य, चाँद, प्रकृति समय पर अपना कार्य करती है। हम तो चिन्तनशील व्यक्ति है, हमें अवश्य मर्यादाओं में रहना चाहिए। आपने विशेष रूप से

कहा कि हमें अपने परिवार के लिए भी मर्यादा पत्र बनाना चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने कहा – कि जब मछली मर्यादा का उल्लंघन कर पानी से बाहर आती है, तब वह तड़पती है और फिर पानी में जाकर सुख का अनुभव करती है उसी तरह व्यक्ति भी मर्यादा की सीमा में रहता है तो वह सुखी एवं प्रसन्न रह सकता है। तमिलनाडू के राज्यपाल महामहिम श्री बनवारी लाल पुरोहित ने शुभकामनाएं प्रदान की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती माला कातरेला ने शुभकामना संदेश का वाचन किया।

चैन्नई तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शांति दूधोरिया ने कार्यशाला के लिए चैन्नई को अवसर देने के लिए अभातेमम अध्यक्ष, महामंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में संलग्न अखिल भारतीय स्तर के पदाधिकारियों, तमिलनाडु स्तरीय महिला मंडल की बहनों, मुख्य वक्ता श्री मर्यादा कोठारी, संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों, चैन्नई तेरापंथ समाज के सदस्यों, पत्रकार बन्धुओं का स्वागत अभिनन्दन किया। प्रशस्ति प्रलेख का वाचन अभातेमम तमिलनाडु राज्य प्रभारी श्रीमती अनिता चौपड़ा और कार्यशाला संयोजिका श्रीमती हेमलता नाहर ने किया। मंगलाचरण, स्वागत एवं संवर्धन गीतों का संगान चैन्नई महिला मंडल ने किया। तमिलनाडु की 17 शाखा मंडलों की बहनों ने मर्यादा विषय पर शानदार प्रस्तुति दी। चैन्नई महिला मंडल की बहनों ने एफ एम रेडियो की तर्ज पर नाटिका के माध्यम से मर्यादा एवं संवर्धन विषय पर शानदार प्रस्तुति दी, जिसको सभी ने सराहा। इस विशेष अवसर पर अभातेमम अध्यक्ष, पदाधिकारियों ने चैन्नई महिला मंडल द्वारा नवीन फिजियोथैरेपी केन्द्र का शुभारम्भ और 30 इन्सिनरेटर मशीनों का डिजिटल पर विधिवत उद्घाटन किया। अभातेमम अध्यक्ष महामंत्री ने चैन्नई महिला मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं सम्प्रेषित की। इस कार्यशाला में सेलम, ईरोड, मधुराई, शिवाकाशी, कोयम्बतूर, विल्लीपुरम, गुड़ियातम, तिरुकल्लीकुंडम, पल्लावरम, कुंभकोणम, त्रिपुर, आरकोणम, मिजुर, कांचीपुरम, तिरूवन्नामलाई, कुन्नूर, चैन्नई सहित कुल 17 महिला मंडलों ने भाग लिया। कार्यशाला की संयोजिका श्रीमती हेमलता नाहर ने इसको सफल बनाने में बखूबी जिम्मेदारी निभाई।

बैंगलुरु–कर्नाटक स्तरीय संवर्धन कार्यशाला

अ.भा.ते.म.मं के तत्वावधान में राजराजेश्वरी नगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कर्नाटक–बेंगलुरू स्तरीय संवर्धन–पुरुषार्थ कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद की अध्यक्षता एवं RajaRajeshwari Nagar की अध्यक्ष श्रीमती सरोज R बैद के कुशल निर्देशन में शनिवार 23 जनवरी 2021 को zoom app पर आयोजित किया गया। मंत्री शोभा बोथरा ने कार्यशाला से संबंधित जानकारी देते हुए पुरुषार्थ का महत्व बताया एवं संचालन हेतु वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती लता बाफना एवं प्रोफेसर प्रतिभा नाहर को मंच सौंपा।

परम पूज्य गुरुदेव को वन्दन करते हुए आचार्य प्रवर के मुखारविन्द से प्रदत्त मंगल पाठ वीडियो के माध्यम से किया गया। कार्यशाला का आगाज राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने पूर्ण श्रद्धा के साथ नमस्कार महामन्त्र द्वारा किया।

तत्पश्चात साध्वी प्रमुखा महाश्रमणीवरम् द्वारा प्रेषित मंगल–संदेश का वाचन अभातेमम की भावना चौका प्रभारी श्रीमती सरलाजी श्रीमाल ने किया एवं भावना चौका में बेंगलुरू शाखा मंडलों से प्राप्त सहयोग राशि का उल्लेख भी किया। मंडल की बहनों के गीत एवं कन्या मंडल द्वारा पारंपरिक भरतनाट्यम द्वारा मंगलाचरण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष श्रीमती सरोज आर बैद ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज असल खुशी तो आपके पधारने पर होती पर इस वर्चुअल कार्यशाला के आयोजन का अवसर देकर आपने हमपर जो विश्वास व्यक्त किया उसके लिए हम दिल से आपके आभारी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदया के विजन को अपना लक्ष्य बताते हुए मंडल द्वारा संचालित तीन आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र जिसमें एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र on wheels के बारे में बताया कि इस केन्द्र को खोलने

के पीछे दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित विभिन्न सरकारी स्कूलों में प्रशिक्षण देने का संकल्प है। एक लाख पचास हजार की राशि भावना चौका हेतु देने की घोषणा की गई तथा साथ ही 11 इंसीनरेटर मशीन लगाने की जानकारी दी।

साध्वी श्री कंचन प्रभाजी ने फरमाया कि समय-समय पर इस तरह की कार्यशाला करने से बहनों में जागृति आएगी। साध्वी श्री लावण्या श्री जी ने फरमाया पुरुषार्थ के बिना जीवन सफल नहीं हो सकता। साध्वी श्री अणिमा श्री जी ने फरमाया कोई व्यक्ति यदि 16 घंटे पुरुषार्थ करता है तो उसका भाग्य 100% साथ देता है। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञाजी ने कहा कि हर व्यक्ति को पुरुषार्थी रहना चाहिए। साध्वी श्री उज्जवल प्रभाजी ने कहा संकल्प का बीज तभी फलवान बनता है जब पुरुषार्थ का अभिसिंचन मिलता है। संवर्धन कार्यशाला की आयोजना, संयोजना में राजराजेश्वरी नगर महिला मंडल का अपूर्व उत्साह जागा मानो इसकी सफलता के लिए नए पंख लग गए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी बैद ने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बेंगलुरु के अंदर एक-एक रत्न है। महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा ने कहा जो इंसान सक्सेसफुल होता है वही पुरुषार्थी होता है।

मुख्य प्रवक्ता श्रीमान संजय धारीवाल ने बताया पुरुषार्थ से हम अपने कर्मों की निर्जरा कर सकते हैं। अ.भा.ते.म.मं की पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद ने कहा कि हमारा पुरुषार्थ इतनी ऊंचाइयां ले की चारों और शोर मचा दे। सभा अध्यक्ष श्री मनोज जी डागा ने बताया अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयत्न करना ही पुरुषार्थ है। महासभा से अध्यक्ष श्री सुरेश गोयल, ट्रस्टी श्री महेन्द्र जी बाफना एवं सहमंत्री श्री प्रकाश जी लोढ़ा के शुभकामना संदेश प्राप्त हुए। संवर्धन गीत को एक अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

राजराजेश्वरी नगर सहित गांधीनगर, विजयनगर, राजाजीनगर, हनुमन्तनगर, यशवन्तपुर एवं टी दासरहल्ली सभी क्षेत्रों ने विभिन्न अंदाज में मनमोहक प्रस्तुतियों से पुरुषार्थ की महिमा दिखाई। संरक्षिका बहनों सहित उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन पटावरी एवं अन्य सभी ने काफी सराहना की। कार्यशाला का सुव्यवस्थित संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती लता बाफना एवं श्रीमती प्रतिभा नाहर ने किया। सहमंत्री श्रीमती हेमलता सुराणा ने आभार व्यक्त किया।

निर्जरा

आयंबिल तपो महायज्ञ सानंद संपन्न

बड़ी ही आध्यात्मिक हर्ष का विषय है कि ज्ञान चेतना वर्ष के पावन अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा (महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष) पूरे 1 साल तक चलने वाला निर्जरा का एक उपक्रम अखंड आयंबिल अनुष्ठान सभी की मेहनत लगन व समर्पण से जितना सोचा था उस से बढ़कर ही संपन्न हुआ है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग पूरे देश भर में 58349 आयंबिल संपन्न हुए हैं ।

संयोजिका श्रीमती प्रभा दूगड़ सहित सभी बहनों को एवं आयंबिल अनुष्ठान में संभागी सभी तपस्वीओं को तहे दिल से साधुवाद बहुत बहुत अनुमोदना ।

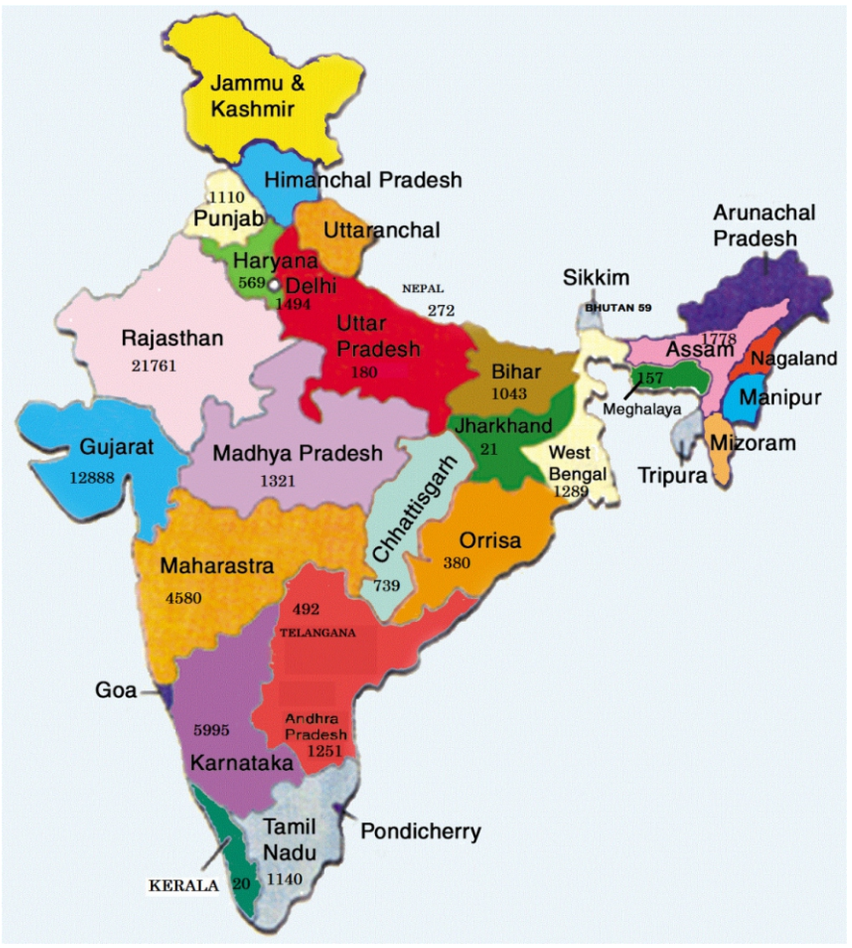

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर

मैसूर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल मैसूर के तत्वाधान में कैम्पिरेगौड़ा शैक्षणिक कल्चरल ट्रस्ट आरोग्य भारती के प्रांगण में आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी केंद्र का भव्य उदघाटन कर जन सेवा के लिए समर्पित किया गया। थेरेपी केंद्र का उदघाटन मैसूर चामराज क्षेत्र के विधायक एल. नागेन्द्रा, मैसूर मुड़ा चेयरमैन HV राजीव, कॉर्पोरेटर शिवकुमार,कॉर्पोरेटर रमेश, कॉर्पोरेशन बैंक मैसूर सिटी के अध्यक्ष उमा शंकर एवं दक्षिण कर्नाटक आरोग्य भारती के सचिव डॉ चंद्र शेखर की उपस्थिति में हुआ। विधायक नागेन्द्रा एवम मुड़ा चेयरमैन राजीव ने महिला मंडल द्वारा किये जा रहे जन सेवा कार्यो की सराहना की एवं कहा कि उनके द्वारा जो भी मदद इस काम के लिए होगी वो जरूर पूरा करने की कोशिश करेंगे। महिला मंडल अध्यक्षा सुधा नौलखा ने अपने स्वागत भाषण में सभी संस्थाओं एवं महानुभावों का स्वागत किया। मंत्री सीमा देरासरिया ने अपने वक्तव्य में जानकारी देते हुए कहा कि पूरे भारत मे तेरापंथ महिला मंडल की 460 शाखाएं है और पूरे भारत मे 37 फिजियोथेरेपी केंद्र की स्थापना हो चुकी है एवम आज 38 वे केंद्र का उदघाटन हुआ है । कर्नाटक में यह तीसरा केंद्र का उदघाटन हुआ है फिजियोथेरेपी केंद्र के लिए सायरदेवी हीरालाल मालू बंगलोर मुख्य दानदाता रहे। कार्यक्रम जैन संस्कार विधि द्वारा संस्कारक राजेश आच्छा, लकी श्रीश्रीमाल, विमल पितलिया द्वारा सम्पन हुआ। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष दिनेश दक ने नेत्र दान के लिए प्रेरित किया एवं नेत्रदान के फार्म भरवाए। इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष पुष्पा बैद का शुभकामना आडियो संदेश भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के पश्चात् दीप प्रज्जवलन से हुआ। कार्यक्रम की संयोजक नीतू गन्ना एवं संचालन खुशी गुगलिया एवम मधु गुगलिया ने किया। आभार ज्ञापन ललिता पितलिया ने किया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा अध्यक्ष शांतिलाल कटारिया, अणुव्रत विश्व भारती के उपाध्यक्ष महेंद्र नाहर, महासभा कार्यसमिति सदस्य महावीर देरासरिया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष मदन मारू सहित, तेरापंथ सभा, महिला मंडल ,तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ ट्रस्ट, तेरापंथ प्रोफेसनल फोरम, कन्या मंडल, किशोर मंडल, JCI, जैन मिलन, समता महिला मंडल, स्थानकवासी महिला मंडल, मूर्तिपूजक महिला मंडल JITO आदि संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति रही।

चैन्नई

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार चेन्नई तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में फिजियोथेरिपी सेंटर का भव्य उद्घाटन जैन संस्कार विधी से सम्पन्न हुआ, जो संवर्धन कार्यशाला में डिजिटल पर दिखाया गया।

फिजियोथेरिपी सेंटर के उद्घाटन समारोह में पहले महिला मंडल की बहनों ने आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनिश्री कमलकुमारजी की के दर्शन करके मंगल आर्शिवाद प्राप्त किया और बाद में बैनर का अनावरण किया। मुनिश्री जी ने फरमाया आप सामाजिक कार्यों के साथ आध्यात्मिक गतिविधियों को भी आगे बढाएं, जप अनुष्ठान, उपवास, तेले के अनुष्ठान से भी जुड़ें और अर्हत वंदना अर्थ सहित और पच्चीस बोल सिखने का लक्ष्य रखें।

मुनिश्री जी ने मंगलपाठ के साथ बहनों को आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी,

फिजियोथेरिपी सेंटर पंहुच कर सबसे पहले उद्घाटन सत्र रहा जो नमस्कार महामंत्र से शुभारंभ हुआ उसके बाद जैन संस्कार विधि से इसका विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्पा जी हिरण और सरोज जी चिपड ने करवाया, नमस्कार महामंत्र – जप अनुष्ठान एवं महावीर स्तुती के साथ हुआ,अध्यक्षा शांति जी दुधोडिया ने तहेदिल से सभी का स्वागत किया। फिजियोथेरिपी सेंटर के उद्घाटन कर्ता एवं प्रायोजक आदरणीय हीरालाल जी मालु को भी धन्यवाद दिया जिन्होंनें हमें मशीनें उपलब्ध करवाई। धर्म संघ के वरिष्ठ श्रावक आदरणीय सुमेर मलजी पारख परिवार का भी हमे सहयोग प्राप्त हुआ।

चेन्नई की अभातेमम से राष्ट्रीय कार्यकारिणी आदरणीय माला जी कात्रेला ने भी चेन्नई तेरापंथ महिला मंडल के कार्यो की सराहना करते हुए बधाइयाँ सम्प्रेषित की एंव अभातेमम की और से भी शुभकामनाएं दी। संयोजिका निर्मला जी छल्लाणी का भी विशेष सहयोग रहा।

पर्वत पाटिया

दिनांक 25 जनवरी 2021 को अखिल भारतीय महिला मंडल के द्वारा प्रायोजित व सिधार्थ फाउंडेशन के अंतर्गत पर्वत पाटिया महिला मंडल के द्वारा संचालित आचार्य श्री महाश्रमण फिजियो थेरेपी सेंटर का शुभारम्भ सिधार्थ फाउंडेशन के अवधूत धाम सोसाइटी मे किया गया।

जैन संस्कार विधि से आध्यात्मिक वातावरण मे मन्त्रोच्चार के साथ श्री विजय कान्तजी खटेड व उनके सहयोगी श्री सुशील जी गुल्गुलिया ने पुरी विधि से करवाया। पर्वत पाटिया सभा अध्यक्ष श्री कमल जी पुगलिया पूर्व अध्यक्ष गौतम जी ढेलड़िया, संजय जी बोहरा, अनिल जी चोधरी, युवक परिषद अध्यक्ष कान्ति जी सिंघवी व मंत्री भरत जी, अखिल भारतीय महिला मंडल की रास्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा सह मन्त्री मधु जी देरासरिया प्रचार प्रसार मंत्री निधि जी सेखानी गुजरात प्रभारी भारती जी पारख सूरत महिला मंडल परामर्शक रीटा जी परमार व सिधार्थ फाउंडेशन के श्री संजय जी कोठारी व शीतल जी पटेल व उनकी पूरी टीम पर्वत पाटिया महिला मंडल की पूरी टीम की गरिमामय उपस्थिति में हुवा। मंडल अध्यक्ष कुसुम बोथरा ने सबका स्वागत किया।रास्ट्रीय ट्रस्टी कनक जी सह मन्त्री मधु जी, निधि जी, भारती जी कार्यक्रम संयोजिका रंजना जी, सभा अध्यक्ष कमलजी, युवक परिषद अध्यक्ष कान्ति जी शीतल, पूर्व अध्यक्ष मनोज जी गंग आदि सभी ने अपनी शुभकामनाएं और बधाई दी। इस सेंटर के उद्घाटनकर्ता श्रीमती शायर हीरालाल जी मालू के प्रति भी तहे दिल से धन्यवाद प्रेषित करता है। आभार ज्ञापन मन्त्री चन्द्रकला जी ने किया। पर्वत पाटिया महिला मंडल अध्यक्ष कुसुम बोथरा, मन्त्री चन्द्रकला कोठारी सहित पूरी टीम की उपस्थिति रही ।

आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

बहनों,

''आओ चलें गांव की ओर'' परियोजना के तहत वर्षों से चली आ रही केन्द्र की सिलाई प्रशिक्षण योजना लाकडाउन की वजह से कुछ धीमी हो गयी थी। लेकिन अब यह योजना सुचारू रूप से चले इसके लिए मेरा हर शाखा मंडल से निवेदन है कि अपने-अपने क्षेत्र में इस कार्य को गति देने का प्रयास करें। आजकल हर घरों में देखा जा रहा है कि हम छोटे-मोटे सिलाई के कार्यों के लिए टेलर के पास भागते हैं तो क्यों ना थोड़ी सी जागरूकता रखकर हम सिलाई सीख लें इसके लिए उसका प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। सभी शाखा मंडलों से अनुरोध है की वर्ष भर में जो भी सिलाई केन्द्र खुले हैं उनकी न्यूज व फोटो संयोजिका को जरूर भेंजे। इसकी संयोजिका है श्रीमती गुलाब बोथरा - 9462342976

अहमदाबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत 2 अक्टूबर 2020 गांधी जयंती के शुभ अवसर पर गांधी की पुण्य धरा साबरमती क्षेत्र में आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य बहनों को स्वावलंबी बनाना और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। अध्यक्ष मनीता जी चोपड़ा व मंत्री प्रतीक्षा सुतरिया ने मंत्रोचार के साथ केंद्र में प्रवेश कर मशीनों पर कुमकुम तिलक से शुभारंभ किया। केंद्र स्थापना में आओ चलें गांव की ओर संयोजिका सरिता जी लोढा के साथ डि केबीन से रजनी जी वेद, सुचिता जी पिंचा, चंद्रकला जी मालू व सरोज देवी बोथरा का सहयोग सराहनीय रहा। मशीनों के प्रायोजक श्रीमती सावित्री देवी रायचंद जी लुणिया है। संस्था सभी के प्रति आभार ज्ञापित करती है।

जयपुर सी-स्कीम

समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत दिनांक 6 जनवरी 2021 को तेरापंथ महिला मंडल जयपुर सी-स्कीम द्वारा आयोजित आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा तथा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल कार्यकारिण सदस्य सुशीला चौपड़ा की गरिमामय उपस्थिति में सानंद सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने मंडल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सब इसी तरह विकास के पथ पर अग्रसर रहो। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने कहा कि जयपुर महिला मंडल हर कार्य में अपना एक विशेष स्थान रखता है और उन्होंने मंडल के भविष्य के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के प्रायोजक विनोद समता बैद बने। इस कार्यक्रम में मंडल की काफी बहनों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई।

जयपुर शहर

सम्माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री जी की उपस्थिति में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार एवं विमेन एंपावरमेंट के तहत् तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा सिलाई सेंटर का उद्घाटन किया गया जिसका भव्य कार्यक्रम मालवीय नगर में किया गया, उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा, राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद के द्वारा किया गया। नवकार मंत्र से इस कार्य का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु किया जाने वाला यह कार्य जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा एक सराहनीय कार्य है। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा आज के समय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना अत्यन्त आवश्यक है

और स्वरोजगार हेतु सिलाई सेंटर महिलाओं एवं कन्याओं को इस सहयोग की आवश्यकता है इसके लिए जयपुर शहर महिला मंडल सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। नवोदय जागृति संस्थान और डिफेंस गर्ल्स स्कूल में यह सेंटर खोले गए। सिलाई मशीनें उपलब्ध करवाने के साथ-साथ स्कूलों में सैनिटाइजर मशीन भी वितरित की गई यह कार्यक्रम निरंतर रूप से जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा सफलतापूर्वक निरंतर किया जा रहा है। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती विमला जी दुगड़ का सहयोग रहा। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती गुलाब बोथरा, श्रीमती मधु श्यामसुखा, जयपुर शहर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नेहा नागौरी, मंत्री श्रीमती सुमन कोठारी, जयपुर शहर की उपाध्यक्ष प्रतिभा बरड़िया, कौशल्या जैन, सहमंत्री उर्मिला सुरणा, कोषाध्यक्ष नीलिमा बैद, कार्यसमिति सदस्य निधि लोढ़ा, निर्मला सुराणा, नीरू मेहता, एकता बरड़िया, प्रीति बरड़िया एवं अन्य सदस्य बहनें इस कार्य में उपस्थित रहे। स्कूल के प्रिंसिपल ने इस कार्य के लिए जयपुर शहर महिला मंडल की सराहना करते हुए बहुत-बहुत आभार किया। इसकी प्रायोजक शकुन्तला जी, निभा चौरड़िया का भी आभार किया।

राजराजेश्वरी नगर सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र-1

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु अ.भा.ते.म.मं द्वारा निर्देशित आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना के अन्तर्गत स्थानीय तेरापंथ भवन में प्रायोजक परिवार द्वारा सिलाई-केन्द्र का उद्घाटन मंगल-सूत्रों के स्मरण के साथ किया गया।

सभाध्यक्ष मनोज जी डागा एवं तेयुप उपाध्यक्ष सुशील जी भंसाली ने इसे मंडल का एक महत्वपूर्ण समाजोपयोगी कदम बताते हुए बधाई दी। अध्यक्ष श्रीमती सरोज आर बैद ने अनुदानदाता श्रीमती मनफूली देवी डागा, श्रीमती गुलाब देवी छाजेड़, श्रीमती सुशीला देवी छाजेड़ के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। श्री राजेश छाजेड़, श्री धर्मेश नाहर, श्रीमती कंचन छाजेड़, उपाध्यक्ष लता बाफना, सुमन पटावरी, हेमलता सुराणा प्रशिक्षिका श्रीमती सनम छाजेड़ सहित अनेक बहनों की उपस्थिति रही। मंत्री शोभा बोथरा ने आभार व्यक्त किया।

राजराजेश्वरी नगर सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र-2

अ.भा.ते.म.मं द्वारा निर्देशित आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना के अन्तर्गत उल्लाल स्थित बाल्या आश्रम में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कंचन छाजेड़ तथा मंत्री शोभा बोथरा द्वारा मंगल-सूत्रों के स्मरण के साथ किया गया। इस आश्रम में मंडल द्वारा लड़कियों के विकास हेतु अनेक सेवा-कार्य किये जा रहे है। इस केन्द्र की विशेषता यह है कि लड़कियों के साथ-साथ लड़कों को भी सिलाई प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा आगे भी इनकी training की व्यवस्था की जाएगी। आश्रम की संस्थापिका श्रीमती अन्नपूर्णा राम ने मंडल के इस प्रयास की खूब सराहना की। प्रायोजक परिवार से श्रीमती संगीता डागा, श्रीमती प्रमिला छाजेड़ उपस्थित रहे। इस केन्द्र की संयोजिका श्रीमती दीपिका देरासरिया है।

राजराजेश्वरी नगर सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र-3

अ.भा.ते.म.मं द्वारा निर्देशित आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना के अन्तर्गत दूरस्थ क्षेत्रों में स्वरोजगार के विकास हेतु मंडल द्वारा चल-सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र सुचारु रूप से चल रहा है।

इस केन्द्र की विशेषता यह है कि यह विभिन्न सरकारी स्कूलों, नारी-निकेतन, रिमांड होम आदि स्थानों में प्रशिक्षण देने का कार्य करेगा। इस क्रम में एच.वी.हल्ली स्कूल में एक बैच संपन्नता की ओर है। इस स्कूल का प्रशिक्षण पूरा कर अन्य स्थानों में भी प्रशिक्षण आरम्भ किया जा रहा है। प्रशिक्षिका के रूप में श्रीमती सनम छाजेड़ सेवा दे रही हैं। अध्यक्ष सरोज R बैद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद के विजन को अपना मिशन बताते हुए कहा कि यह सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र नारी सशक्तिकरण की दिशा में हमारे सपनों में रंग भरने जैसा कार्य है। इस केन्द्र की संयोजिका सहमंत्री मंजु बोथरा है।

मुंबई

अखिल भारतीय तेरापंथ महिलामण्डल के निर्देशन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिलामण्डल मुंबई द्वारा संचालित श्री तुलसी रोजगार प्रशिक्षण केंद्र का स्थानांतरण एवं नवीनीकरणके साथ भव्य शुभारंभ दिनांक 27 जनवरी को वीर संभाजी नगर, आदर्श सोसायटी दहिसर ईस्ट में मुख्य अतिथि माननीय श्रीमती मनीषा ताई चौधरी (MLA) व राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा के द्वारा किया गया।

मुंबई महिलामण्डल की अध्यक्षा श्रीमती भाग्यश्रीजी कच्छारा ने सभी अतिथियों का अपने शब्दों से स्वागत किया तथा तुलसी रोजगार प्रक्षिक्षण केंद्र के बारे में जानकारी दी।

मुख्य अतिथि वार्ड -2 दहिसर के नगरसेवक जगदीशजी ओझा, तेरापंथी महासभा के महामंत्री श्रीमान रमेशजी सुतरिया, राष्ट्रीय तेयुप अध्यक्ष एवं कल्याण परिषद संयोजक श्रीमान संदीपजी कोठारी, तेरापंथी सभा मुंबई के अध्यक्ष श्रीमान नरेंद्रजी तांतेड़, टीपीएफ के अध्यक्ष श्रीमान तेजप्रकाशजी डांगी, अभातेमम महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा, जीतो एपेक्स के प्रथम लेडी डायरेक्टर श्रीमती सुमनजी बच्छावत, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुदजी कच्छारा एवं पूर्वाध्यक्ष श्रीमती प्रेमलताजी सिसोदिया की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि श्रीमती मनीषा ताई ने अपने विचार प्रकट करते हुए तेरापंथ महिला मण्डल मुंबई के कार्यो की सराहना की तथा आगे भी वो हमेशा साथ रहेगी । सभी पदाधिकारियों ने अपने वक्तव्य में महिला मण्डल के कार्यो की प्रंशसा की एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

राष्ट्रीय महामंत्री तरुणाजी बोहरा ने अपने वक्तव्य में कहा कि समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत जो भी कार्य केंद्र से दिये जाते है उन्हें मुंबई महिला मण्डल पूरी निष्ठा व लगन से पूरा करने में सदैव आगे रहता है। चाहे वो बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ या स्वच्छ भारत अभियान, सभी योजना को सफल बनाने में मुंबई महिला मण्डल का विशेष योगदान रहा है।

तुलसी रोजगार प्रक्षिक्षण केंद्र जो कि 2012 से सुचारू रूप से कार्यरत है। जितने भी रोजगार सेंटर अब तक बने उसे सुचारू रूप से चलाने में टीम का विशेष सहयोग मण्डल को प्राप्त रहा है। इस टीम में श्रीमती कांताजी बच्छावत के नेतृत्व में सुमनजी सिंधी , वन्दनाजी मुणोत, सुमनजी कोठारी व किरणजी डागलिया पूरी टीम सक्रियता से कार्य का सम्पादन कर रही है निरन्तर सेवाएं दे रही है। इस सिलाई केंद्र में टोटल 10 मशीन है। 50 बहिनो के सीखने के लिए नाम भी आ गए है।

अभातेमम कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती भारतीजी सेठिया, श्रीमती कांताजी डूंगरवाल, मुंबई महिलामण्डल से मंत्री स्वीटीजी लोढ़ा, उपाध्यक्ष रचनाजी हिरण, सहमंत्री गीतांजलि जी बोथरा, परामर्शक सुशीलाजी डूंगरवाल, कार्यकारिणी सदस्य राजश्री डूंगरवाल, मंजूजी मादरेचा, मीनाजी कच्छारा, बांगुर नगर,मालाड, कांदिवली, बोरीवली व दहिसर से संयोजिका नयनाजी बम्ब, प्रतिमाजी पींचा, शिप्राजी सिंधी, संगीताजी परमार, संगीताजी धाकड़ व उनकी टीम, मीरा रोड की बहिनें तथा तेयुप दहिसर के अध्यक्ष जयजी दुग्गड़, मंत्री प्रवीणजी डूंगरवाल, परामर्शक व तेयुप टीम, कपिलजी सिसोदिया, दिलखुश मेहता, अभिषेक जी ,नरेशजी चपलोत, पारसजी वागरेचा, समकितजी पारेख,प्रेमचन्दजी यादव, गजानन जाभले, मंगल सावलेकर व सिलाई केंद्र प्रक्षिक्षिका अन्नपूर्णा जी की भी उपस्थिति रही।

आगे एक वर्ष के लिए सिलाई के प्रक्षिक्षण केंद्र के संचालन में विशेष रूप से श्रीमती दर्शना महावीरजी डूंगरवाल से आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री स्वीटीजी लोढ़ा मंगलाचरण दहिसर महिलामण्डल व आभार ज्ञापन वन्दनाजी मुणोत ने किया।

Go Clean Project Instalation of Incinerators

बहनों,

''स्वच्छ भारत अभियान'' प्रोजेक्ट के अन्तर्गत निम्न क्षेत्रों ने इस महीने जो वेडिंग मशीन व पैड डिस्पोजल मशीन लगाने का सफल प्रयास स्कूल, कॉलेजों में मशीनें लगवाई वो क्षेत्र हैं :-

जयपुर शहर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा स्वच्छताअभियान के तहत स्वच्छभारत की तरफ एक कदम और बढ़ाते हुए तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा 20 इंसीनरेटर मशीनों का उद्घाटन किया गया। जिसका भव्य कार्यक्रम ज्ञान विहार स्कूल मालवीय नगर में किया गया। ज्ञानविहार स्कूल में व अन्य स्कूल में इंसीनरेटर मशीन इंस्टॉल करवाई गई। उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी बैद राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग्य जी बैद के द्वारा किया गया। नवकार मंत्र से इस कार्य का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा स्वच्छता की दृष्टि किया जाने वाला यह कार्य जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा एक सराहनीय कार्य है।

राष्ट्रीय महामंत्रीजी ने कहा आज के समय में हाइजीनिक एवं स्वच्छता का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है इस हेतु यह कार्य पर्यावरण स्वच्छता में एक अच्छा कदम है। इसके लिए जयपुर शहर महिला मंडल सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। स्कूलों में इंसीनरेटर मशीनों को इंस्टॉल करवाना, और उसका इस्तेमाल करवाने का प्रशिक्षण देना,मशीन का यूज करना इसी के तहत यह कार्यक्रम निरंतर रूप से जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा सफलतापुर्वक निरंतर किया जा रहा है। वर्षभर में अब तक जयपुर शहर महिला मंडल ने 59 मशीनों का वितरण कर दिया है। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती विमला जी दुगड़ का सहयोग रहा, ABTMWCM गुलाब जी बोथरा, श्रीमती मधु जी श्यामसुखा, जयपुर शहर महिला मंडल की अध्यक्ष नेहा नागौरी, मंत्री सुमन जी कोठारी जयपुर शहर के सभी पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य बहने इस कार्यक्रम में उपस्थित थी। ज्ञान विहार स्कूल के प्रिंसिपल श्री राकेश जी उपाध्याय ने महिला मंडल के इस कार्य को बहुत ही सराहनीय एवं उपयोगी बताते हुए स्कूल के लिए इंसीनरेटर मशीन उपलब्ध कराने के लिए जयपुर शहर महिला मंडल बहुत-बहुत आभार किया।

चैन्नई

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला की समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत 'गो क्लीन' एवं 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत चेन्नई तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में 30 इंसिनरेटर मशीनों साहुकारपेट सभा भवन में किया गया, ये Sanitary pad machines महानगर के Hostels (Girls - women's - Nurses) Colleges - Hospitals - orphanages house मे अतिशीघ्र लगवाई जाएगी, चेन्नई समाज ने ऐसे project की प्रशंसा करते हुए चेन्नई तेरापंथ महिला मंडल की सराहना की और आने वाले समय में भी पूर्ण सहयोग करने का भी आश्वासन दिया। समाज के उदारमना भाई-बहनों ने आगे आकर हमे सहयोग प्रदान किया और मंडल की बहनों का उत्साहवर्धन किया जिससे हमारे कार्य करने की शक्ति दुगुनी हो जाती है और आने वाले समय में हम इस project पर और ज्यादा से ज्यादा काम करेंगें।

कार्यक्रम का शुभारंभ सहमंत्री कंचन भंडारी ने नमस्कार महामंत्र से किया एंव अध्यक्ष शांति दुधोडिया ने सभी का

स्वागत करते हुए सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया एवं आगे के कार्यक्रमों की जानकारी दी। चेन्नई से राष्ट्रीय कार्यकारिणी माला कातरेला और अनीता चोपड़ा ने भी महिला मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं सम्प्रेषित की, कार्यक्रम में तेरापंथ सभा से श्रीमान् रमेश खटेड एवं तेयुप परिषद से अध्यक्ष श्रीमान् रमेश डागा एवं मंत्री श्रीमान् विशाल सुराणा उपस्थित थे और महिला मंडल के महनीय कार्यो की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

जयपुर सी–स्कीम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित जयपुर सी स्कीम महिला मंडल द्वारा आयोजित इंसिनेटर वितरण का कार्यक्रम माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता जी डागा एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरुण जी बोहरा तथा ABTMM कार्यकारिणी सदस्या सुशीला जी चोपड़ा की गरिमामय उपस्थिति में सानंद संपन्न हुआ।

जयपुर सी स्कीम महिला मंडल द्वारा 11 इन सीनेटर सभी सरकारी स्कूलों में लगवाए गए। हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने बताया की स्वच्छ भारत अभियान के तहत इंसीनरेटर मशीन के उपयोग से बायोटेक्निक कचरा कम होगा पर्यावरण स्वच्छ बनेगा और मोदी जी का भारत का सपना भी साकार होगा। वर्षभर में अब सी–स्कीम महिला मंडल ने 45 मशीनों का वितरण किया है। मंडल को बधाई देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने कहा आप इसी तरह कार्य को करते रहे और प्रगति के मार्ग निरंतर आगे बढ़ते रहें। राष्ट्रीय महामंत्री तरुणा जी बोहरा ने कहा कि हम बाहरी स्वच्छता के साथ–साथ अपनी आंतरिक स्वच्छता पर भी ध्यान दें एवं संपूर्ण भारत को स्वच्छ बनाने का प्रयास करें। इंसीनेटर मशीन के प्रायोजक मंडल की संरक्षिका मुकुलिका जी बैद थे। सभी ने मंडल के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

कांकरोली

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला की समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत महिला मंडल कांकरोली द्वारा तीन सेनेटरी पेड मशीन विभिन्न कॉलेजों में लगाई गई। इस कार्यक्रम में स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजु दक ने अभातेमम की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति सदस्य श्रीमती नीना कावड़िया व आगुन्तकों का स्वागत व सौजन्य कर्ता बहनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योत्सना जी पोखरना ने किया। सौजन्य कर्ता बहनें श्रीमती कमला बाई पगारिया, श्रीमती इन्दिरा जी पगारिया (पगारिया परिवार, कांकरोली), श्रीमती मधु जी पगारिया (सोमको टायर पगारिया परिवार, कांकरोली) एवं संस्था के पूर्ण सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा।

बैंगुलुरु

अ.भा.ते.म.मं के तत्वाधान में राजराजेश्वरी नगर महिला मंडल द्वारा आओं चले गांव की ओर परियोजना के तहत स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 11 इंसीनरेटर मशीनों का उद्घाटन श्रीमती सरोज आर बैद की अध्यक्षता में किया गया। एक मशीन बाल्या आश्रम–स्कूल में लगाई जा चुकी है।

बाकी सभी मशीनें भी शीघ्र ही आस–पास के गांवों एवं क्षेत्र में स्थित सरकारी स्कूल–कॉलेज, आश्रम एवं नारी निकेतनों मे लगाई जाएगी। उद्घाटन में प्रायोजक बहनों सहित उपाध्यक्ष श्रीमती लता बाफना, मंत्री शोभा बोथरा, सहमंत्री हेमलता सुराणा, कोषाध्यक्ष बीना कोठारी, प्रचार–प्रसार मंत्री श्रीमती वंदना भंसाली एवं अन्य सदस्य बहनें उपस्थिति रही। सभी ने इस जनोपयोगी कार्य पर आत्मतोष प्रकट किया।

तत्व मंथन कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वाधान में आयोजित दूसरी कार्यशाला लोक विषय का शुभारम्भ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने आचार्य प्रवर व प्रमुखाश्री जी वन्दन कर, जैन स्कोलर निदेशिका श्रीमती डॉ. मंजू नाहटा का स्वागत करते हुए बहुत ही सुन्दर परिचय के साथ किया।

डॉ. मंजू जी बी.ए.,एम.ए., पी.एचडी. है, आप प्राकृत, संस्कृत, द्रव्य-मीमांसा, ज्ञान मीमांसा व आगम की अच्छी ज्ञाता है। आपके निर्देशन में दो जैन स्कोलर बैच पूरे हो चुके है और तीसरा बैच चल रहा है। आपने जो कार्यशाला देना स्वीकार किया उससे हमारी बहनों को अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। आपके प्रति बहुत-बहुत धन्यवाद।

जैन स्कोलर निदेशिका डॉ. मंजू जी ने अपनी तत्व मंथन की दूसरी कार्यशाला लोक विषय पर बहुत ही सुन्दर विवेचन करते हुए बताया कि लोक अत्यन्त रूचिकर एवं अनेकानेक रहस्यों से परिपूर्ण है, आगे आपने समझाया कि सहज जिज्ञासा होती है, लोक क्या है? लोक की हम कैसे जानें? लोक अतीत, वर्तमान और भविष्य की यात्राओं का संगम है और अपनी जीवन यात्रा का अन्तिम लक्ष्य फिक्स कर उस और कदम बढ़ाए, पुरुषार्थ करें।

आपने लोक अलोक, षड़द्रव्यों, त्रसनाली, खण्डुकाकार लोक, लोकपुरुष, घनीकृत लोक, उर्ध्वलोक, अधोलोक, मध्यलोक के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करते हुए ''ओम'' के महत्व को बताया और बड़ी सफलता के साथ बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और निरन्तर हर माह सुविधानुसार कार्यशाला का आश्वासन दिया।

आपके प्रति बहुत-बहुत कृतज्ञता, आभार महिला मंडल की ओर से किया। बहनों ने इसमें उत्साह से भाग लिया।

चौबीसी अध्ययन कार्यशाला ''जाने चौबीसी का रहस्य''

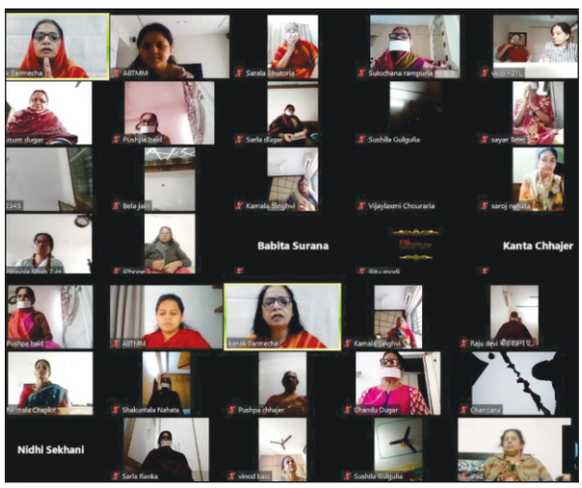

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित परम पूज्य जयाचार्य की अनूठी कृति चौबीसी पर आधारित ''चौबीसी प्रशिक्षण कार्यशाला'' राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पाजी बैद की अध्यक्षता में zoom द्वारा वर्चुअल किया गया। यह कार्यशाला का शुभारंभ दिन था।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के मंगल पाठ से किया गया, तत्पश्चात् सुमधुर आवाज के साथ कोयम्बटूर की बबिता जी गुणोचा द्वारा जयाचार्य अष्टंक का संगान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा बैद ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि नया वर्ष नई खुशियां लेकर आया है, हमारा सौभाग्य है कि गुरुदेव के आशीर्वाद व प्रेरणा से हम बहिनों का जयाचार्य चौबीसी का रहस्य हमारी ही अपनी राष्ट्रीय ट्रस्टी व जैन स्कॉलर सह निर्देशिका श्रीमती कनक बरमेचा द्वारा इसका रहस्य जानने व समझने को मिलेगा, मैंने आपसे पहले भी बहुत कुछ सुना है आपके समझाने की शैली बहुत ही सरल व व्यवस्थित तरीके से है। मीटिंग में आये हुए व प्रधान ट्रस्टी, संरक्षिका, महामंत्री आदि सभी को नये वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि हमें चौबीसी को जरूर कंठस्थ करने का लक्ष्य रखना है।

तत्पश्चात् तेरापंथ दर्शन व तत्वज्ञान संयोजिका श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी ने इसका व्यवस्थित विवेचन करते हुए इसके अन्तर्गत आने वाले मूल बाते बताते हुए श्रीमती कनक बरमेचा को बहुत-बहुत साधुवाद दिया और कहा कि आपने इतना बड़ा बीड़ा उठाया है, आप बहुत ही अच्छा व आध्यात्मिकता के साथ सामाजिक दायित्व निर्वहन कर रही है।

पुनः बबिता जी गुणोचा से आदिनाथ भगवान की गितिका का संगान हुआ, सुमधुर आवाज सभी के मन को झंकृत

कर दी और फिर हमारी ऊर्जा से भरपूर उम्र में छोटी, कर्तव्यों से बड़ी व दायित्वच की मजबूत कड़ी के रूप में प्रसिद्ध महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने कहा कि हमारी जिस हाथ से लिखने की आदत होती है, हम उसी से जल्दी व व्यवस्थित लिख पाते हैं, दूसरे हाथ से क्यों नहीं? क्योंकि उस हाथ से हमारा शुरु से अभ्यास रहता है ठीक वैसे ही यदि हम इसका प्रतिदिन अभ्यास करें तो फिर मुश्किल ही नहीं है इस चौबीसी को सीखना। तत्पश्चात् हमारी इस कार्यशाला की प्रशिक्षक श्रीमती कनक बरमेचा ने बहुत ही बारीकी से एक-एक बातें बताते हुए चौबीसी की विशेषता बताई - जैसे इसमें शांत रस व वैराग्य रस है तथा इसमें तत्वज्ञान का भी समावेश है आदि। आपने कहा कि यदि हम बहनें इसके रहस्य व अर्थ को समझकर इसे याद करेगी तो बहुत ही आसानी से याद होगा। जयाचार्य ने केवल सात-सात गाथाओं में इसे समेटा है प्रत्येक तीर्थंकरों की विशेषताओं को।

कार्यशाला के सत्र का आभार कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मधु कटारिया द्वारा किया गया। कार्यशाला को चलाने में तकनीकी योगदान श्रीमती सोनम बागरेचा का रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती सरिता बरलोटा ने किया।

1 जनवरी 2021 से चल रही चौबीसी की यह कार्यशाला ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा द्वारा बहुत ही व्यवस्थित व आकर्षक रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि आपकी जो सिखाने की शैली है उससे हर कोई आसानी से सीख पाया और सही राग व शुद्ध उच्चारण का व्यवस्थित लाभ मिला।

राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने कहा कि इस कठिन स्तुति को आपने इतना सरल बना दिया व आपने इतना समय व श्रम लगाकर कर्मों की निर्जरा के साथ बहुतों को आध्यात्मिक ज्ञान जो दिया वह हमारे लिए जीवन भर प्रेरणा स्तोत्र रहेगा। क्विज के माध्यम से भी अपने लोगों का उत्साह व जोश बढ़ाया।

एक माह की इस सफलतम कार्यशाला का पूरा श्रेय आपकी मेहनत का प्रतिफल है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। पूरे एक महिने तक टेक्नीकली सहयोग रहा प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती निधि सेखानी का।

करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान

प्रबुद्ध श्रावक श्राविकाओं के लिए, समणी मलायप्रज्ञाजी और समणी नीतिप्रज्ञाजी के आध्यात्मिक निर्देशन में, जैन विश्व भारती लाडनूं एवं जैन विश्व भारती न्यू जर्सी के तत्वावधान में, श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी की षष्टिपूर्ति के अवसर पर स्वाध्याय का एक सुनहरा अवसर ''करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान'' प्रतियोगिता श्रृंखला आचार्यश्री की पुस्तकों पर आधारित ऑनलाइन, ओपन बुक ग्लोबल क्विज प्रतियोगिता श्रृंखला 18 पुस्तकें, 18 महीने, 18 प्रतियोगिताएं हर महीने के प्रथम शनिवार को पूरे विश्व में एक साथ जनवरी 2021 से प्रारंभ हुई इस श्रृंखला की पहली प्रतियोगिता में लगभग 1100 प्रतियोगियों ने भाग लिया। दूसरी प्रतियोगिता आगामी 6 फरवरी को है। आप अपनी रूचि व सुविधानुसार एक, एकाधिक या सभी शेष प्रतियोगिताओं में संविभागी बन सकते हैं. ज्ञान की इस गंगा में डुबकी लगाने, आत्मोन्नति के पथ पर आगे बढ़ने, जीने की कला सीखने के इस स्वर्णिम अवसर का अवश्य लाभ लें। आप तो जुड़ेंगे ही, औरों को भी प्रेरित करें. अधिक जानकारी के लिए संलग्न फ्लायर देखें और कांटेस्ट वेबसाइट पर जायें। अधिक से अधिक संख्या में करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान।

नन्हीं कली

वर्ष 2019-21 की योजना 'नन्हीं कली'' जो हमने शुरु की थी वो लॉकडाउन की वजह से चल नहीं पाई थी। पर अब स्कूल-कॉलेज खुल गये है तो मेरा अनुरोध है सभी शाखा मंडलों से कि यह योजना अब सुचारू रूप से शुरु करें। इसके लिए हर शाखा मंडल अपने क्षेत्र में कोई असक्षम परिवार के बच्चे हो और असार्मथ्य के कारण पढ़ नहीं पा रहें तो बहिनें उस परिवार के बच्चे को छात्रवृत्ति देकर उस बच्चे का भविष्य संवारें। क्योंकि आने वाली पीढ़ी के बच्चे ही कल के देश के कर्णधार है। तो बहिनों आपने अपने क्षेत्र में कितने बच्चों को छात्रवृत्ति दी इसकी पूरी रिर्पोट आप ''नन्हीं कली'' योजना संयोजिका श्रीमती अनिता चौपड़ा-9840423534 को प्रेषित करें।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी
फरवरी 2021

प्रिय बहनों, सादर जय जिनेन्द्र।

नया वर्ष, नया उल्लास, नये सपने और नया जोश। नव वर्ष पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

हमने ज्ञान चेतना वर्ष में परम पूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की पुस्तकों के आधार पर प्रश्नोत्तरी का क्रम चलाया। नवम्बर माह से ''धम्मो मंगलमुक्किठं'' और ''सुखी बनो'' पुस्तक पर प्रश्नोत्तरी प्रारंभ की गई।

बहनों, तेरापंथ शासन की महान विभूति, एक असाधारण व्यक्तित्व, प्रतिभा का पर्याय एवं ऊर्जा का ऐसा अविरल स्त्रोत जिसे प्राप्त कर महिला समाज निरंतर विकास के पायदानों को आरोहित हो रहा है। ऐसी वात्सल्य की प्रतिमूर्ति ममतामयी श्रद्धेय असाधारण साध्वी प्रमुखा श्रीजी का 50वां चयन वर्ष 9 फरवरी 2021 से शुरु हो रहा है। अतः इस माह से प्रश्नोत्तरी का क्रम साध्वी प्रमुखाश्रीजी के उदात्त जीवन-वृत को उजागर करने वाली कृति ''चैतन्य रश्मि कनकप्रभा'' पुस्तक पर आधारित रहेगा। बहनों, इस पुस्तक के अध्ययन से आलोक की रश्मियां हमारे पथ को निरंतर आलोकित करती रहे और हमारा आत्मिक विकास होता रहे यही मंगलकामना।

संदर्भ पुस्तक - चैतन्य रश्मि कनकप्रभा पृष्ठ संख्या 15 से 37

(अ) रिक्त स्थान की पूर्ति करें। (प्रथम अक्षर स, सा... होना अनिवार्य है)

1. इसीलिए ये जब भी बोलती है, सब ..... हो जाते हैं।
2. जे परसेवो बहावे तै ..... धाय।
3. उसी के ..... में वे वहाँ उपस्थित थे।
4. ..... उपासना का लाभ लेती।
5. लड़कियों को पढ़ाना जरूरी नहीं ..... जाता था।
6. अनेक मुमुक्षुओं को ..... रत्न प्रदान किया।
7. आज भी वह ..... की हवेली के नाम से प्रसिद्ध है।
8. उसके बाद परिस्थितिवश मेरा ..... छुड़ा दिया गया।
9. ..... ज्ञानोपयोग से चित्त की निर्मलता और बुद्धि की प्रखरता सधी।
10. सदासुखजी के छठें पुत्र का नाम था ..... बैद
11. उनका जीवन-दर्शन ..... का दर्शन है।
12. जड़ावदेवी की कोई ..... नहीं थी।
13. ..... जीवन का आधार है, संस्कार संपदा की सुरक्षा।
14. वे ..... के कालूरामजी सेठिया की पुत्री थी।
15. पर साध्वियों के साथ उनका संबंध ..... रहता है।
16. आपको भावों से ..... आ गया है।
17. इस प्रकार साध्वी प्रमुखाश्रीजी अपने सृजन कौशल से ..... के नए द्वार उद्घटित कर रही है।
18. ..... संघ में रुस की धरती पर चौथा महिला विश्व सम्मेलन संपन्न हुआ।
19. उसकी ..... और सौम्य मुद्रा बहुत ही आकर्षक लगती थी।
20. ..... आने पर हर मुकाबले को तैयार रहते थे।

(ब) जोड़ी मिलाएं –

1.	मिथुन राशि	A दादा
2.	श्री	B मालवदेव
3.	सदासुखजी	C उपहार
4.	गाथाओं	D गायक
5.	अठानवें प्रतिशत	E सुंदरता
6.	जोधपुर	F आजोल
7.	पग पकड़ाई	G प्रतिभा
8.	पांचीरामजी	H श्लोकों
9.	अहिंसा यात्रा	I बुध
10.	त्रिपदी	J परिश्रम

नोट :
- प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 फरवरी 2021 है।
- Google Form की Link आपको Team Group में प्रेषित कर दी जायेगी।
- सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
- प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

  श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत

  मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

जनवरी माह के उत्तर

(अ) बेमेल शब्द लिखें –

1.	सुपारी	2.	कस	3.	मोह	4.	तन
5.	भगवती	6.	अप्पा	7.	कला	8.	लाडनूं
9.	गेस	10.	स्वाध्याय	11.	प्यार	12.	क्रोध

(ब) प्रश्नों के उत्तर दें –

1. अनाथी मुनि
2. आचार्य भिक्षु
3. भगवान महावीर
4. तैजस शरीर
5. शयन
6. भिक्षाचर्या
7. इन्द्रिय विजय
8. राजा
9. संकल्प
10. शरीर

दिसम्बर माह के भाग्यशाली विजेता

नवम्बर माह में कुल 1851 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

1. श्रीमती आकांक्षा गुजरानी – उत्तर हावड़ा
2. श्रीमती अंजु बैद – फरीदाबाद
3. श्रीमती मनाली जैन – ईरोड़
4. श्रीमती भाग्यश्री गंग – सिलचर
5. श्रीमती कनक जैन – चास बोकारो
6. श्रीमती सरोज चौपड़ा – पचपदरा
7. श्रीमती सरोज सिंघवी – तिरपुर
8. श्रीमती मायादेवी आंचलिया – सेंथिया
9. श्रीमती शशी जैन – हिसार
10. श्रीमती टीना जैन – वापी

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

3,11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल मुम्बई द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
1,01,000 श्रीमती कंचन देवी लताजी, नीतु जी बाफना राजेश्वरी नगर-बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
1,01,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर-बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
1,00,000 ''शासनसेवी'' श्रीमान् नरेश जी-नीरू जी मेहता जयपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
1,00,000 ''युवक रत्न'' श्रीमान् दलपत जी - प्रभा देवी लोढ़ा जयपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
1,00,000 गुप्त दान।
1,00,000 श्रीमती गुलाब देवी पटावरी के 75वें जन्म दिवस प्रवेश पर ''शासनसेवी'' श्रीमान् पदमचन्दजी पटावरी, मोमासर-राजसमन्द द्वारा भावना चौके में सप्रेम भेंट।
51,000 ''श्रद्धा की प्रतिमूर्ति'' श्रीमती रतन देवी कोठारी जयपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000 ''श्राविका गौरव'' श्रीमती कमला देवी बरड़िया (बाईजी) (धर्मपत्नी स्व. श्री सागरमल जी बरड़िया) जोबनेर-जयपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल किशनगंज द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरी नगर, बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर-बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल चैन्नई द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल उधना द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000 श्रीमती विमला देवी नाहटा (परामर्शक अभातेममं) छापर-मुम्बई द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल नागपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000 श्रीमती सरोज देवी - भगवान दास जी बोहरा फतेहपुर-बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000 श्रीमती नीना देवी - राजकुमार जी बरड़िया चुरु-बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल भिवानी द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हुबली द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000 श्रीमती निधि-प्रबोध के परिणयोत्सव पर श्रीमान् पदमचन्दजी-गुलाब देवी पटावरी, मोमासर-राजसमंद द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल जयसिंहपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल पालघर द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हनुमन्तनगर, बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल टी दासरहल्ली, बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सायरा द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000 नूतन गृह प्रवेश पर डॉ. राकेश - तरूणा बोहरा, मुम्बई-तासोल द्वारा सप्रेम भेंट।
5100 श्रीमती मनी देवी धारीवाल बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
4100 श्रीमती सायर जी नाहर - किशनगंज द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद - ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर - 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा - 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई - 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया - लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मोः 94361033330, 8787645164 ईमेल lmplshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

वंदे महा सतीवरम

संघ महानिदेशिका, मातृहृदया
साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभा जी

दिनांक 11. 01. 2021 विहार में

अ भा ते म म की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी बैद
पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सूरज बाई बरडिया जैन ध्वज के साथ